www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

''गाँव से महानगर तक, पहाड़ से मैदान तक, भारतीय रेलवे हर भारतवासी को एक सूत्र में बाँधता है।''

''हर दिन करोड़ों यात्रियों को जोड़ते हुए, भारतीय रेलवे भारत की एकता को गति देता है।''

वर्ष-36 अंक:2-3 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16 जनवरी - 15 फरवरी 2026 पृष्ठ 12, (सयुक्तांक) मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

आत्मनिर्भर भारत की पटरी पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें

भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम, भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरूः प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनका उद्देश्य पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करना और विकास को गति देना है। श्री मोदी ने कहा कि बंगाल की पवित्र भूमि से भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि आज से भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नागरिकों की लंबी यात्राओं को अधिक आरामदायक और शानदार बनाएगी।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत में ट्रेनों का स्वरूप कैसा होना चाहिए, यह परिकल्पना इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्पष्ट रूप से झलकती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि कुछ देर पहले उन्होंने मालदा स्टेशन पर कुछ यात्रियों से बातचीत की और सभी ने कहा कि इस ट्रेन में यात्रा करना एक असाधारण अनुभव था। उन्होंने याद दिलाया कि पहले लोग विदेशी ट्रेनों की तस्वीरें देखकर भारत में ऐसी ट्रेनों की कामना करते थे, और आज उनका यह सपना साकार हो रहा है। श्री मोदी ने आगे कहा कि हाल के दिनों में विदेशी पर्यटक भारतीय रेलवे में हो रहे बदलावों के वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह वंदे भारत ट्रेन 'मेड इन इंडिया' है, जो भारतीयों के परिश्रम और समर्पण से निर्मित है। श्री मोदी ने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां काली की भूमि को मां कामाख्या की भूमि से जोड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में यह आधुनिक ट्रेन पूरे देश में फैलेगी और उन्होंने इस आधुनिक स्लीपर ट्रेन के लिए बंगाल, असम और पूरे देश को बधाई दी।

भारतीय रेलवे विद्युतीकरण और स्टेशनों के आधुनिकीकरण के साथ परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि आज पश्चिम बंगाल सहित देश भर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके साथ ही आधुनिक और उच्च गति वाली ट्रेनों का एक संपूर्ण नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिससे बंगाल के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को काफी लाभ मिल रहा है।

बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं-नई लपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, नई जलपाईगुड़ी- तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस और अलीपुरद्वार-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस।

उन्होंने घोषणा की कि बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं - नई जलपाईगुड़ी- नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, नई जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस और अलीपुरद्वार-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस। उन्होंने जोर दिया कि ये ट्रेनें बंगाल, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल, और दक्षिण और पश्चिमी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से गंगासागर, दक्षिणेश्वर और कालीघाट जाने वाले तीर्थयात्रियों के साथ-साथ तमिलनाडु और महाराष्ट्र जाने वाले यात्रियों की यात्रा भी आसान हो जाएगी।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के रेल इंजन, कोच और मेट्रो कोच भारत की प्रौद्योगिकी के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अमेरिका और यूरोप से अधिक लोकोमोटिव का निर्माण करता है और कई देशों को यात्री ट्रेन और मेट्रो ट्रेन कोच निर्यात करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को काफी लाभ होता है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। श्री मोदी ने अपने संबोधन का समापन इस बात पर जोर देते हुए किया कि भारत को जोड़ना एक प्राथमिकता है और दूरियों को कम करना एक मिशन है, जो आज के कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

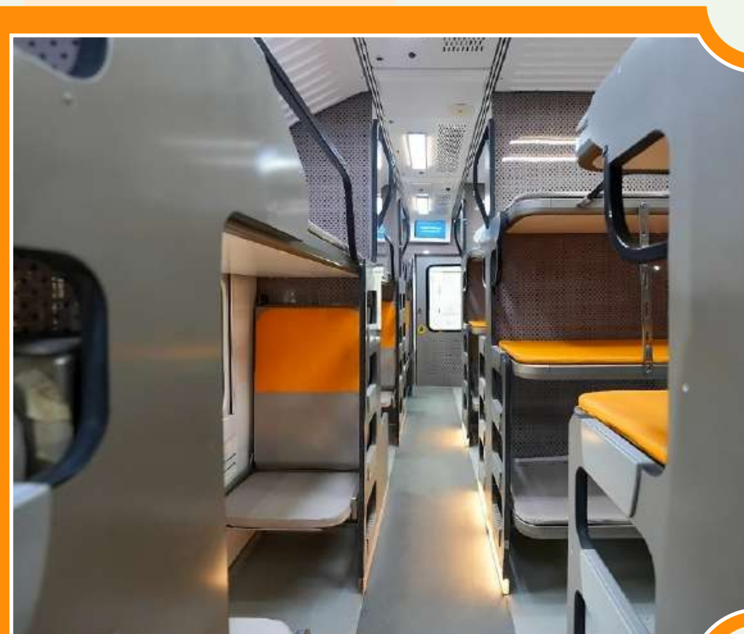

भारतीय रेल का ‘मिशन 52’: हर हफ्ते एक नया सुधार

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने नए साल में सेवा, सुरक्षा और संचालन की तस्वीर बदलने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। रेल भवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ‘52 सप्ताहों में 52 सुधार‘ के संकल्प की घोषणा की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कार्यकुशलता को बढ़ाना और यात्रियों को विश्वस्तरीय सेवा प्रदान करना है।

सुरक्षा पहली प्राथमिकता: एकल अंक का लक्ष्य बैठक में जानकारी दी गई कि रेलवे ने सुरक्षा के मोर्चे पर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। वर्ष 2014-15 में गंभीर रेल दुर्घटनाओं की संख्या जो 135 थी, वह 2025-26 में घटकर महज 11 रह गई है। यानी पिछले 10 वर्षों में गंभीर हादसों में करीब 90% की कमी आई है। अब मंत्रालय का लक्ष्य इस आंकड़े को घटाकर ‘एकल अंक‘ (Single Digit) तक लाना है।

नए साल के नए संकल्प केंद्रीय राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना, श्री रवनीत सिंह और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार की मौजूदगी में हुई इस बैठक में ‘नए साल-नए संकल्प‘ की भावना पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने अपने जमीनी अनुभव साझा किए और ढांचागत विकास की समीक्षा की। रेलवे ने तकनीकी प्रगति और यात्रियों पर केंद्रित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया है।

52 सप्ताहों में 52 सुधार - कार्य-कुशलता, संचालन और सेवा वितरण में व्यापक सुधार।

- सुरक्षा पर विशेष ध्यान गंभीर रेल दुर्घटनाओं में करीब 90% की कमी (2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 11), लक्ष्य इसे एकल अंक तक लाना है।
- एआई और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा सुरक्षा, रखरखाव और संचालन में एआई और उन्नत प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को गति देना।
- प्रतिभा और प्रशिक्षण में सुधार कर्मचारियों के प्रतिभा प्रबंधन और कौशल विकास के लिए नए तरीकों की खोज।
- खाद्य और खानपान व्यवस्था में सुधार - खाद्य पदार्थों की बेहतर गुणवत्ता, खानपान और रेल सेवाओं के लिए बड़े सुधार।

‘मेक इन इंडिया‘ बुलेट ट्रेन परियोजना को ताकत दे रहा है

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में ऊपरी विद्युतीकरण मस्तूल की स्थापना का कार्य अच्छी गति से चल रहा है: अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- कॉरिडोर में ऊपरी विद्युतीकरण मस्तूल (ओएचई) के स्थापना कार्य के साथ मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में लगातार प्रगति देखी जा रही है। यह विकास भारत की पहली उच्च गति रेल प्रणाली के लिए विद्युत कर्षण सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और ‘मेक इन इंडिया’ पहल के तहत जमीन पर हो रहे निरंतर क्रियान्वयन को प्रतिबिंबित करता है। ऐसा करके यह घरेलू निर्माण क्षमताओं को मजबूत कर रहा है और वैश्विक रूप से प्रमाणित उच्च गति रेल तकनीक को अपना रहा है। ओएचई मस्तूलों की स्थापना संरेखण के प्रमुख खंडों, जिसमें वायडक्ट खंड शामिल हैं, में चल रही है ताकि उच्च गति वाली ट्रेनों के सुरक्षित, सुचारू और प्रभावी संचालन को सुनिश्चित किया जा सके। ये मस्तूल कर्षण अवसंरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो कॉरिडोर पर चलने वाली बुलेट ट्रेनों को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए आवश्यक हैं।

ओएचई मस्तूलों को भू-स्तर से काफी ऊंचाई पर बने वायाडक्ट्स पर स्थापित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, 9.5 से 14.5 मीटर तक की ऊंचाई वाले 20,000 से अधिक मस्तूलों को कॉरिडोर के साथ स्थापित किया जाएगा। ये मस्तूल पूरे 2X25 केवी ऊपरी कर्षण विद्युत प्रणाली का समर्थन करेंगे, जिसमें ऊपरी तार, भू-संपर्क व्यवस्था (अर्थिंग व्यवस्था), फिटिंग और बुलेट ट्रेन संचालन के लिए आवश्यक अन्य सहायक उपकरण शामिल हैं।

निर्बाध कर्षण विद्युत सुनिश्चित करने के लिए, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के साथ कर्षण उपस्टेशन (टीएसएस) और वितरण उपस्टेशन (डीएसएस) का एक नेटवर्क विकसित किया जा रहा है।

ओएचई मस्तूल ऊर्ध्वाधर इस्पात संरचनाएं हैं, जो रेलवे लाइन के साथ स्थापित की जाती हैं और ऊपरी विद्युत तारों को सहारा देती हैं। ये तारों की सही ऊंचाई, संरेखण और तन्यता बनाए रखती हैं, जिससे विद्युत चालित रेलों को निरंतर और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति मिलती है।

एक बार पूरा होने के बाद, मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन दो शहरों के बीच यात्रा को तेज और सुविधाजनक बना देगा तथा कॉरिडोर के साथ परिवहन संपर्क में सुधार करेगा। इस परियोजना से रोजगार सृजन और मजबूत विनिर्माण के जरिये यात्रियों, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं और भारतीय उद्योग को लाभ मिलने की उम्मीद है। यह देश में उन्नत रेलवे तकनीक को अपनाने और विश्व-स्तरीय रेल अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को भी रेखांकित करता है।

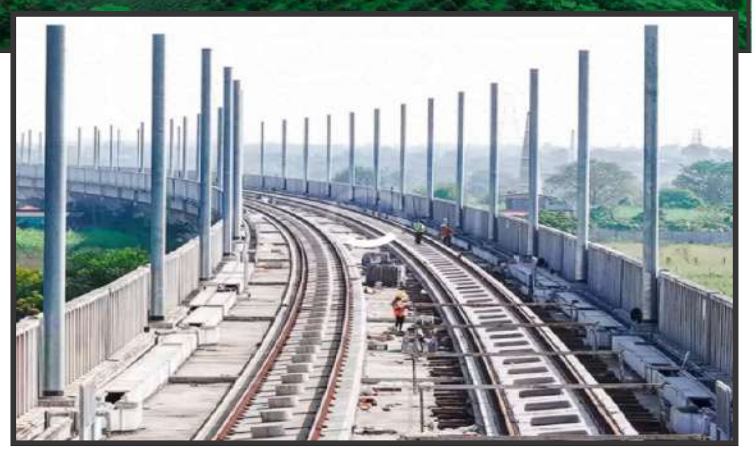

रेलवन (RailOne) ऐप से अनारक्षित रेल टिकट पर सभी डिजिटल पेमेंट मोड से मिलेगा 3% का लाभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे यात्रियों को डिजिटल माध्यमों से अधिक सुविधा, पारदर्शिता एवं प्रोत्साहन देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में रेलवे द्वारा संचालित ‘रेलवन‘ ऐप के माध्यम से अनारक्षित रेल टिकट खरीदने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं लाभकारी सुविधा का विस्तार किया जा रहा है। इसे प्रायोगिक तौर पर 14.01.2026 से 14.07.2026 तक लागू किया जा रहा है।

अब तक रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुक करते समय केवल ‘आर-वॉलेट‘ (R-Wallet) के माध्यम से भुगतान करने पर ही यात्रियों को 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक की सुविधा मिलती थी। यात्रियों की सुविधा एवं डिजिटल भुगतान को और अधिक लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से रेलवे ने इस लाभ को अब सभी डिजिटल पेमेंट मोड पर लागू करने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था के अंतर्गत अब रेलवन ऐप के जरिए अनारक्षित टिकट लेते समय यदि यात्री यूपीआई (UPI), डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अथवा अन्य स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों का उपयोग करते हैं, तो उन्हें भी टिकट मूल्य पर 3 प्रतिशत की सीधी छूट प्राप्त होगी।

ऐप की प्रमुख विशेषताएं:

- ट्रेन, कोच पोजीशन एवं पीएनआर (PNR) स्टेटस की जानकारी।
- आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग और रद्दीकरण।
- रियल टाइम ट्रेन पूछताछ एवं लाइव स्टेटस।
- ई–कैटरिंग सेवा के माध्यम से भोजन की ऑनलाइन बुकिंग।
- शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराना तथा उनकी स्थिति देखना।

रेलवे का यह कदम यात्रियों को कैशलेस लेन-देन के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ ‘डिजिटल इंडिया‘ अभियान को और मजबूती प्रदान करेगा। विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वाले यात्रियों, उपनगरीय क्षेत्रों के यात्रियों एवं अनारक्षित श्रेणी में यात्रा करने वाले आम नागरिकों को इससे प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

एकीकृत ‘सुपर ऐप‘ के रूप में CRIS द्वारा विकसित रेलवन (RailOne) ऐप का बीटा संस्करण जनवरी 2025 में शुरू किया गया था। रेल कनेक्ट या यूटीएस (UTS) मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता अपने क्रेडेंशियल्स के साथ इसमें सीधे लॉग इन कर सकते हैं। रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट, आरक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन एवं स्टेशन से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ और शिकायत निवारण जैसी सुविधाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध हैं। अब सभी डिजिटल भुगतान मोड पर 3% लाभ मिलने से इसकी लोकप्रियता में और वृद्धि होने की संभावना है।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 29 जनवरी 2026 को मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या 1 से लेकर स्टेशन सिटी साइड तक का जायजा लिया तथा स्टेशन री डेवलपमेंट के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया।

मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने कानपुर में आगामी दिनों में विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय प्लेटफॉर्म तक सुचारु एवं सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जाए। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए होल्डिंग एरिया के प्रभावी संचालन के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान आगामी माघ मेला के शेष दो प्रमुख स्नान पर्वों को लेकर भी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण से जुड़े आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने रेलवे ट्रैक की गुणवत्ता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। इसके उपरांत वीआईपी लॉज में अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और समन्वित रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर श्री आशुतोष सिंह वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज श्री विजय प्रकाश पंडित सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे महाप्रबंधक ने तुगलकाबाद-पलवल सेक्शन पर 'कवच' प्रणाली के इंस्टॉलेशन का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने तुगलकाबाद जं. केबिन (दिल्ली क्षेत्र) तथा पलवल सेक्शन पर स्वदेशी कवच प्रणाली (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) के इंस्टॉलेशन का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान कवच प्रणाली की कार्यक्षमता को परखने के लिए पाँच महत्वपूर्ण परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में सिग्नल पासिंग एट डेंजर (SPAD) परीक्षण, हेड-ऑन कोलिजन टेस्ट, रियर-एंड कोलिजन टेस्ट, लूप लाइन ओवरस्पीड टेस्ट एवं लेवल क्रॉसिंग प्रोटेक्शन टेस्ट शामिल रहे। यह सभी परीक्षण स्वदेशी तकनीक की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत एवं पटना-नटेसर रेलखंड का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा दिनांक 16.01.2026 को पटना-नटेसर वाया बख्तियारपुर- हरनौत-राजगीर-नटेसर तथा वापसी में नटेसर-दनियावां-जटडुमरी-पटना रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने इस रेलखंड के रेलवे ट्रैक, रेल पुलों आदि का मुआयना किया। महाप्रबंधक ने रेल ट्रैक के बेहतर रख-रखाव एवं संरक्षित रेल परिचालन के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिए।

निरीक्षण के प्रथम चरण में महाप्रबंधक महोदय सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत पहुंचे जहां उन्होंने कारखाना के एलएचबी व्हील शॉप, एलएचबी बोगी शॉप, सीएमटी लैब, एचआरएस शॉप, हॉट एंड कोल्ड चेम्बर, एसी डक्ट क्लीनिंग, एबी शॉप आदि का गहन निरीक्षण किये । निरीक्षण के दौरान उन्होंने संरक्षा से संबंधित किये जाने वाले कार्यों का विशेष तौर पर जायजा लिया । सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत में 250 किलोवाट क्षमता वाले प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र तथा AMDBS Maintenance Unit का महाप्रबंधक महोदय की उपस्थिति में कारखाना में कार्यरत महिला कर्मचारी द्वारा लोकार्पण किया गया ।

विदित हो कि सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत द्वारा इस वित्तीय वर्ष में दिसंबर माह तक 288 गैर वातानुकूलित आईसीएफ कोच, 49 वातानुकूलित आईसीएफ कोच, 162 गैर वातानुकूलित एलएचबी कोच तथा 149 वातानुकूलित एलएचबी कोच सहित कुल 648 कोचों का पीओएच किया गया है। रेलवे बोर्ड द्वारा प्रतिमाह 73 कोच के पीओएच का लक्ष्य दिया गया है जबकि इस कारखाना द्वारा प्रतिमाह लक्ष्य से 06 कोच ज्यादा अर्थात 79 कोचों का पीओएच किया जा रहा है ।

निरीक्षण के अगले चरण में महाप्रबंधक राजगीर स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जा रहे राजगीर स्टेशन का निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों की अधिकारियों के साथ समीक्षा की तथा निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा ।

निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार तथा मुख्यालय, निर्माण विभाग एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशनों पर कुलियों के पारिश्रमिक शुल्क में संशोधन

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में यात्रियों की सुविधा, पारदर्शिता तथा लाइसेंस प्राप्त कुलियों (पोर्टरों) की सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से आगरा मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर लाइसेंस प्राप्त कुलियों (पोर्टरों) द्वारा लिए जाने वाले पारिश्रमिक शुल्क में संशोधन किया गया है। यह संशोधित दरें आगरा कैंट, आगरा किला, मथुरा जंक्शन, ईदगाह जंक्शन, अछनेरा तथा राजा की मंडी रेलवे स्टेशनों पर लागू होंगी।

क्रम संख्या 02 से 05 के मामलों में 30 मिनट तक प्रतीक्षा निःशुल्क होगी। इसके उपरांत प्रत्येक 30 मिनट अथवा उसके भाग हेतु अतिरिक्त प्रभार ₹80/- देय होगा। (इस अवधि में कम से कम 01 लाइसेंस प्राप्त पोर्टर/सहायक का यात्री के पास रुकना अनिवार्य होगा।)

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त कुलियों की ही सेवाएं लें तथा निर्धारित दरों के अनुसार ही भुगतान करें। अधिक वसूली, दुर्व्यवहार अथवा किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति में तुरंत संबंधित स्टेशन प्रबंधन, स्टेशन मास्टर अथवा रेलवे सहायता हेल्पलाइन से संपर्क करें। रेल प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुचारू रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

संशोधित पारिश्रमिक शुल्क का विवरण निम्नानुसार है।

1. 40 किलोग्राम तक वजन (सिर पर भार), प्रति फेरा 80/- (30 मिनट तक प्रतीक्षा निःशुल्क, इसके बाद प्रत्येक 30 मिनट अथवा उसके भाग हेतु देय प्रभार 80/-)
2. दो पहिया ट्रॉली (अनुमानित वजन 120 किलोग्राम तक), प्रति फेरा 130/-
3. चार पहिया ट्रॉली (अनुमानित वजन 120 से 160 किलोग्राम तक), प्रति फेरा 150/-
4. बीमार अथवा दिव्यांग यात्री को कुर्सी/स्ट्रेचर पर 02 लाइसेंस प्राप्त पोर्टर/सहायक द्वारा ले जाने पर - 130/-
5. बीमार अथवा दिव्यांग यात्री को कुर्सी/स्ट्रेचर पर 04 लाइसेंस प्राप्त पोर्टर/सहायक द्वारा ले जाने पर 210/-

श्री अमित सुदर्शन ने उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अमित सुदर्शन ने उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया है। इन्होंने निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण से पदभार ग्रहण किया।

श्री अमित सुदर्शन, भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 2015 बैच के अधिकारी है। इससे पूर्व उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में ही उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक (यात्री सेवाएं एवं यात्री विपणन) के पद पर कार्यरत थे। श्री सुदर्शन ने आईआईटी रूडकी से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक शिक्षा प्राप्त की है तथा आईआईएम, कोलकाता से पीजीडीबीए किया है, तथा रेलवे के वाणिज्य तथा परिचालन के क्षेत्र में विशिष्ट अनुभव प्राप्त है। इन्होंने सहायक वाणिज्य प्रबन्धक-झांसी, मण्डल परिचालन प्रबन्धक-आगरा, मण्डल परिवहन प्रबन्धक एवं उप मुख्य परिवहन प्रबन्धक-टूंडला के पदों पर कार्य किया है।

श्री अमित सुदर्शन ने उप मुख्य परिवहन प्रबन्धक-टूंडला के पद पर रहते हुए महाकुंभ के आयोजन के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों के

संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही आगरा एवं टूंडला में अपने पद पर रहते हुए इन्होने डीएफसीसी पर ट्रेनों के परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी ने ग्रहण किया उप मुख्य सतर्कता अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार

सूत्र/रे.स.ब्यू-डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी ने उप मुख्य सतर्कता अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार ग्रहण किया। वह 2009 बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी हैं। उन्होने अबतक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा उत्तर मध्य रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

इसके पूर्व डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के पदों पर कार्य किया। इसके अतिरिक्त पहले वो बिलासपुर तथा रायपुर मंडलों के वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धक पर कार्य कर चुके हैं। डॉ प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी को इनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु रेलवे के सर्वोच्च पुरस्कार ,रेल मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। श्री त्रिपाठी ने उच्च गति रेलवे तकनीकी की ट्रेनिंग जापान से की है।

सुरक्षा की ओर एक कदम: ट्रेन में यात्रा कर रही महिलाओं की हमसफर बन रही 'मेरी सहेली'

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक आगरा, श्री गगन गोयल के दिशा-निर्देशन व वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पी. राज मोहन के नेतृत्व में आगरा मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु ऑपरेशन ''मेरी सहेली'' के तहत व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक, आरपीएफ की 06 टीमों द्वारा कुल 44,856 महिला यात्रियों को सहायता प्रदान की गई है। रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेनों में अकेले यात्रा कर रही महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुँचाने के लिए 'मेरी सहेली' योजना प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। यह योजना मुख्य रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों में लागू की गई है।

जनसम्पर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि 'मेरी सहेली' योजना के तहत अकेली महिला यात्रियों की जानकारी ट्रेन के प्रारंभिक स्टेशन से ही अगले नामित स्टेशनों के रेलवे सुरक्षा बल को साझा कर दी जाती है। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुँचती है, 'मेरी सहेली' की टीम कोच में जाकर महिला यात्रियों से संपर्क करती है और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करती है। इस पहल से अकेले यात्रा कर रही महिलाएं स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं। आगरा मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में विशेष रूप से महिला कांस्टेबलों की ड्यूटी लगाई गई है, जो निरंतर महिला यात्रियों को सुरक्षा और संबल प्रदान कर रही हैं।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस लगाई गई राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्षों को समर्पित एक प्रदर्शनी

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और 27 रेलकर्मियों (05 संविदा सफाई कर्मियों सहित) को सम्मानित किया। इस अवसर पर वंदे मातरम के 150 वर्षों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें 1923 के चित्रों और ग्रामोफोन रिकॉर्डों के इतिहास को दर्शाया गया।

वित्तीय एवं परिचालन उपलब्धियां:

आय में वृद्धि: दिसंबर 2025 तक मालभाड़ा अर्जन में 12.65% की वृद्धि हुई, जिससे सकल अर्जन में 6.80% की प्रगति हुई।

यात्री सेवा: 18 नई गाड़ियाँ और 1110 स्पेशल फेरे चलाए गए। 38 गाड़ियों को नया स्टापेज दिया गया। 15 गाड़ियों को 22 कोच के मानक में बदलकर 1376 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध कराई गई।

स्टेशन विकास: 6 स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट और 72 नई कैटरिंग यूनिट्स शुरू हुईं। 21 स्टेशनों के 26 प्लेटफार्मों की ऊँचाई बढ़ाई गई। अब कुल 147 स्टेशन पूर्णतः दिव्यांग-हितैषी हैं।

संरक्षक और तकनीकी विकास:

कवच प्रणाली: संरक्षा के लिए थ्री-फेज वाले 183 लोकोमोटिव (96 WAP-7 और 87 WAG-9) में 'कवच' लगाया गया।

इंफ्रास्ट्रक्चर: 23 नए फुटओवर ब्रिज (FOB) और 42 रोड ओवर/अंडर ब्रिज का निर्माण हुआ। 34 समपार फाटक बंद किए गए।

ट्रैक अनुरक्षण: 281 किमी ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग की गई, जो पिछले वर्ष से 7% अधिक है। 79 किमी मल्टी-ट्रैकिंग का कार्य कमीशन हुआ।

नेट जीरो मिशन: हेड ऑन जनरेशन (HOG) के माध्यम से 52.17 करोड़ रुपये के डीजल की बचत हुई। 221 करोड़ का स्क्रैप बेचा गया, जो लक्ष्य से 15% अधिक है।

सुरक्षा और सतर्कता:

आरपीएफ की कार्रवाई: 'ऑपरेशन डिग्निटी' के तहत 811 बच्चों, 73 महिलाओं और 52 पुरुषों को बचाया गया। अवैध वेंडिंग के खिलाफ ₹85.95 लाख का जुर्माना वसूला गया।

सतर्कता: सतर्कता विभाग ने प्रणालीगत सुधार के 10 निर्देश जारी किए और 475.85 लाख के राजस्व की वसूली की।

लेखा विभाग: 9674 करोड़ के 1057 प्रस्तावों की जांच कर 242 करोड़ की बचत सुनिश्चित की।

पुरस्कार और गौरव:

महाप्रबंधक ने 'सिगनलिंग एवं दूरसंचार दक्षता शील्ड' मिलने पर टीम को बधाई दी। खेल जगत में जूनियर विश्व कप पदक विजेता रोहित (कप्तान) और अंकित पाल सहित अन्य पदक विजेता खिलाड़ियों (जॉन्टी कुमार, लवप्रीत, भूपेंद्र सिंह, कोमल कोहर) की सराहना की गई। चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. संजय को राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा श्री पुरस्कार मिलने पर गर्व व्यक्त किया गया।

एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी): भारतीय रेल के माध्यम से क्षेत्रीय पहचान को बढ़ावा

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेल की 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) स्कीम स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरी है। यह पूरे देश में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को भारत की समृद्ध क्षेत्रीय विविधता के जीवंत प्रदर्शन केंद्रों में बदलना है।

सीानीय विरासत को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकृत करके, ओएसओपी न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है।

एक स्टेशन एक उत्पाद 2,000 से अधिक रेलवे स्टेशनों तक विस्तारित, 1.32 लाख कारीगरों को सशक्त बनाया गया और लाखों यात्रियों तक प्रत्येक्ष बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की पारंपरिक शिल्पकलाओं को पुनर्जीवित किया गया

19 जनवरी 2026 तक, 2,002 स्टेशनों पर ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) आउटलेट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुल 2,326 आउटलेट कार्यरत हैं। ये आउटलेट हजारों स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उत्पादकों के लिए आजीविका का स्रोत बन गए हैं, जिनका अब प्रतिदिन लाखों यात्रियों से सीधा संपर्क है। इसके अतिरिक्त, 2022 में ओएसओपी की शुरुआत के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 1.32 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक अवसर सृजित किए हैं।

आंकड़ों के अतिरिक्त, ओएसओपी उन पारंपरिक शिल्पों और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को पुनर्जीवित करने में मदद कर रहा है जो कभी लुप्त हो रही थीं। पूर्वोत्तर में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों और बांस की कलाकृतियों से लेकर अन्य क्षेत्रों में मसालों, हथकरघा उत्पादों और स्थानीय मिठाइयों तक, ये उत्पाद यात्रियों को प्रत्येक क्षेत्र का सारतत्व प्रदान करते हैं।

वाणिज्य के साथ संस्कृति को समेकित करके, भारतीय रेल ने स्टेशनों को स्थानीय उद्यम के केंद्रों में बदल दिया है। 'एक स्टेशन एक उत्पाद' पहल ''वोकल फॉर लोकल'' का एक सच्चा उदाहरण है, जो समुदायों को सशक्त बनाने के साथ-साथ देश में यात्रियों के यात्रा अनुभव को समृद्ध करती है।

झांसी रेल मंडल एवं वन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य पर्यावरण संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण अनुबंध रेलवे की 2.7 हेक्टेयर पर मियावाकी पद्धति से होगा सघन पौधारोपण

सूत्र/रे.स.ब्यू- झांसी रेल मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक अनुबंध किया गया। यह अनुबंध मंडल रेल प्रबंधक, झांसी श्री अनिरुद्ध कुमार तथा मुख्य वन संरक्षक, बुंदेलखंड श्री एच. वी. गिरीश की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर झांसी रेल मंडल की ओर से श्री गौरव, वरिष्ठ मंडल अभियंता (ओ एंड एफ) तथा वन विभाग की ओर से विभागीय वन अधिकारी श्री नीरज आर्य द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन श्री नंदीश शुक्ल ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि इस अनुबंध के अंतर्गत रेलवे की 3.39 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। इसमें से 2.7 हेक्टेयर भूमि पर मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण किया जाएगा। यह पद्धति सीमित क्षेत्र में कम समय में घने, स्वावलंबी और जैव-विविधता से युक्त वन विकसित करने में अत्यंत प्रभावी मानी जाती है। मियावाकी पद्धति के अंतर्गत स्थानीय एवं देशज प्रजातियों के पौधों को अधिक घनत्व में रोपित किया जाता है, जिससे यह वन सामान्य वृक्षारोपण की तुलना में लगभग 10 गुना तेजी से विकसित होते हैं। यह पद्धति कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण में सहायक है, वायु गुणवत्ता में सुधार लाती है, भू-क्षरण को रोकती है तथा पक्षियों, कीटों एवं अन्य जीव-जंतुओं के लिए प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराती है। प्रारंभिक देखरेख के बाद ये वन स्वतः विकसित होते हैं, जिससे दीर्घकालिक रूप से यह एक टिकाऊ एवं प्रभावी समाधान सिद्ध होता है। यह अनुबंध संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGS) के अनुरूप है, विशेषकर लक्ष्य-13 (जलवायु परिवर्तन से निपटना), लक्ष्य-15 (स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण) तथा लक्ष्य-11 (सतत एवं हरित शहर एवं समुदाय) की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि भारतीय रेल पर्यावरण संरक्षण को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग मानते हुए निरंतर हरित पहलों को बढ़ावा दे रही है। रेलवे भूमि पर मियावाकी पद्धति से किया जाने वाला यह वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ करेगा और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने में सहायक होगा। मुख्य वन संरक्षक श्री एच. वी. गिरीश ने अपने वक्तव्य में कहा कि रेलवे एवं वन विभाग के बीच यह समन्वय पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। मियावाकी पद्धति शहरी एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है, जिससे जैव-विविधता संरक्षण के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी। वन विभाग द्वारा 4 वर्ष तक संरक्षण भी किया जाएगा। उन्होंने इस सहयोग के लिए झांसी रेल मंडल की सराहना करते हुए इसे अन्य विभागों के लिए भी प्रेरणादायी बताया।

केंद्रीय अस्पताल, उत्तर मध्य रेलवे में महाप्रबंधक ने किया आधुनिक सुविधाओं का शुभारंभ

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय अस्पताल, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह द्वारा दो अत्याधुनिक चिकित्सा प्रणालियों का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह कदम अस्पताल के उस संकल्प को और मजबूत करता है, जिसके अंतर्गत करुणामय देखभाल के साथ नवीनतम तकनीक को एकीकृत किया जा रहा है। इस अवसर पर दंत चिकित्सा विभाग में नवीनतम मॉडल की मल्टी-प्रोग्रामेबल डेंटल चेयर और पैथोल जी विभाग में VITEK® 2 कॉम्पैक्ट सिस्टम का शुभारंभ किया गया।

दंत चिकित्सा विभाग

इस अवसर पर डॉ. मंजुलता हांडू, एसीएचडी (डेंटल) ने नवीनतम मॉडल की मल्टी-प्रोग्रामेबल डेंटल चेयर के कमीशनिंग के विषय में जानकारी दी। यह डेंटल चेयर इनबिल्ट स्केलर, लाइट-क्योर यूनिट, माइक्रोमोटर, इंट्रा-ओरल कैमरा, आरवीजी (RVG) तथा पोर्टेबल एक्स-रे यूनिट से सुसज्जित है, जिससे त्वरित इमेजिंग एवं शीघ्र निदान संभव हो सकेगा। इसके अतिरिक्त, प्रणाली में पीरियोडोंटल लेजर की सुविधा भी उपलब्ध है, जो बायोप्सी एवं मसूड़ों के उपचार को न्यूनतम आघात एवं नगण्य रक्तस्राव के साथ संभव बनाती है, जिससे रोगियों के आराम और उपचार परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

पैथोलॉजी विभाग

एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, डॉ. उषा एस. पी. यादव, एसीएचडी (माइक्रो-बायोल जी) ने VITEK® 2 कॉम्पैक्ट सिस्टम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि, जिससे केंद्रीय अस्पताल, एनसीआर में त्वरित सूक्ष्मजीव निदान के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत हुई है।

अपने संबोधन में उन्होंने पहचान एवं एंटीबायोटिक ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (ID/AST) के नैदानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आधुनिक माइक्रोबायोल जी की आधारशिला बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि VITEK® 2 कॉम्पैक्ट जैसे स्वचालित सिस्टम उन्नत कलरिमीट्रिक एवं टर्बिडी-मेट्रिक तकनीकों का उपयोग कर बैक्टीरिया एवं फंगल रोगजनकों की सटीक पहचान तथा लक्षित एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परिणाम कुछ ही घंटों में उपलब्ध कराते हैं, जो दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से निपटने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार हांडू ने अपने संबोधन में अस्पताल की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सभी विभागों ने अपने-अपने क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन किया है तथा कुल कार्यभार में 15% से 20% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने विभागाध्यक्षों एवं समस्त स्टाफ की निष्ठा, व्यावसायिक दक्षता और अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि "जब टीमवर्क एक संस्कृति बन जाता है, तब उत्कृष्टता एक आदत बन जाती है।"

अस्पताल की दूरदर्शी सोच को प्रतिबिंबित करते हुए, डॉ. हांडू ने जी3 एवं जी6 भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी दी, जिनमें नई विशेषीकृत इकाइयाँ स्थापित की जाएँगी। यह पहल रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस उद्घाटन समारोह में रेलवे मुख्यालय एवं मंडल स्तर के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें एजीएम श्री जोगिंदर सिंह लाकड़ा, पीसीएमडी डॉ. राकेश निगम, डीआरएम श्री रजनीश अग्रवाल, सीएमएस डॉ. सुरेंद्र नाथ सहित अस्पताल परिवार के चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित थे।

रेलवे ने माल ढुलाई में नया रिकॉर्ड बनाया

रेलवे ने पारगमन समय एवं लागत में कमी लाकर विभिन्न क्षेत्रों में सामानों की कुशल आवाजाही सुनिश्चित की

एक ही दिन में रिकॉर्ड 892 गाड़ियों की अदला-बदली करके, डीएफसी ने परिचालन संबंधी दक्षता का एक नया मानक स्थापित किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल देश में माल ढुलाई को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है और उसने रेलगाड़ी के जरिए एक छोर से दूसरे छोर तक माल ढुलाई का तेज, भरोसेमंद एवं किफायती समाधान प्रदान कर माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्नत बुनियादी ढांचे, उच्च क्षमता वाले गलियारों और आधुनिक परिचालन प्रणालियों को मिलाकर, समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डीएफसी) नेटवर्क पारगमन समय एवं लागत में कमी लाते हुए देश भर में सामानों की कुशल आवाजाही सुनिश्चित कर रहा है।

लगातार बिना रुकावट उच्च घनत्व वाले माल ढुलाई परिचालन की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने डीएफ-सी नेटवर्क पर अब तक के सबसे अधिक गाड़ियों की अदला-बदली के साथ परिचालन संबंधी दक्षता का एक नया मानक स्थापित किया है। रविवार, 5 जनवरी 2026 को, डीएफसी नेटवर्क और भारतीय रेल के पांच जोन के बीच एक ही दिन में कुल 892 गाड़ियों की 'अदला-बदली' को संभव बनाया गया, जो इन गलियारों के शुरू होने के बाद से हासिल किया गया सबसे अधिक अदला-बदली है। पिछला रिकॉर्ड 865 गाड़ियों का था, जो 4 जनवरी 2026 को बनाया गया था।

रिकॉर्ड माल ढुलाई की अदला-बदली के परिणामस्वरूप परिचालन संबंधी दक्षता बढ़ने के कारण पारंपरिक रेल लाइनों पर भीड़ कम हो रही है। इससे यात्री गाड़ी सेवाएं अपेक्षाकृत अधिक समय पर और आरामदायक तरीके से संभव हो रही हैं तथा रोजाना के सफर में देरी कम हो रही है। यह उद्योग जगत के आर्थिक विकास को भी समर्थन प्रदान कर रहा है, जिससे आवश्यक सामानों की तेजी से आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स लागत कम होने से आखिरकार आम आदमी को लाभ हो रहा है।

यह उपलब्धि डीएफसीसीआईएल की बढ़ती परिचालन संबंधी क्षमता, सशक्त नियोजन ढांचे और ठोस यातायात प्रबंधन प्रणाली को दर्शाती है। यह सफलता गाड़ियों की गति का प्रभावी ढंग से नियमन करने, सुरक्षित प्रगति बनाए रखने और आस-पास के स्टेशनों के बीच करीबी तालमेल से मिली, जिससे गाड़ियां कम से कम समय में स्टेशनों को पार कर सकीं और भारी भार वाले खंड पर भी सुरक्षित, ईंधन की दृष्टि से किफायती और निर्बाध परिचालन सुनिश्चित हुए।

इस प्रदर्शन को आधुनिक ट्रेन शेड्यूलिंग उपकरणों, वास्तविक समय में यातायात की निगरानी, स्वचालित सिग्नल व्यवस्था, डिजिटल कंट्रोल रूम और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल से और अधिक सहायता मिली। केन्द्रीय कंट्रोल ने सभी परिचालन कंट्रोल केंद्रों और जोनल कंट्रोल ऑफिस से मिले इनपुट के आधार पर नेटवर्क-स्तर की योजना बनायी और देखरेख की ताकि पूरे नेटवर्क में बिना किसी रुकावट के काम हो सके।

उच्च शक्ति वाले लोकोमोटिव ने लंबी एवं भारी मालगाड़ियों को अधिक औसत गति से खींचकर अहम भूमिका निभाई, जबकि लोको पायलट, असिस्टेंट लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के बीच मजबूत तालमेल ने सतर्क, अनुशासित एवं सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित की। मजबूत फीडर रूट और कुशल यार्ड प्रबंधन ने भी देरी को कम किया, जिससे गाड़ियों की तेजी से प्रवेश एवं निकासी और माल की समय पर निकासी संभव हुई।

यह रिकॉर्ड भारत के लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में एक सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, जिससे कोयला, सीमेंट, कंटेनर और कृषिगत सामानों की आवाजाही तेज, सुरक्षित एवं अपेक्षाकृत अधिक भरोसेमंद हो गई है। साथ ही, पारंपरिक रेल नेटवर्क पर भीड़ भी कम हुई है। डीएफसी नेटवर्क पर हाल ही में अधिक संख्या में गाड़ियों की अदला-बदली वाले अन्य दिनों में 30 मार्च 2025 को 846 गाड़ियां, 14 सितंबर 2025 को 830 गाड़ियां, 31 मार्च 2025 को 820 गाड़ियां, 3 जनवरी 2026 को 812 गाड़ियां और 25 मई 2025 को 808 गाड़ियां शामिल हैं, जो अधिक मात्रा में माल ढुलाई परिचालन के निरंतर रुझान को दर्शाता है।

जहां एक ओर भारतीय रेल लाखों यात्रियों को उनके गंतव्य तक कुशलता से पहुंचाना जारी रखे हुए है, वहीं वह सुरक्षा, गति और भरोसे के साथ भारी माल ढुलाई परिचालन को संभालने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है। आधुनिक लोकोमोटिव, डिजिटल निगरानी और बेहतर यार्ड एवं फीडर प्रबंधन के जरिए, डीएफसी नेटवर्क कोयला, सीमेंट, कंटेनर तथा कृषि उत्पादों जैसी आवश्यक चीजों की तेजी से आवाजाही को संभव बना रहा है। इससे एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित हो रही है, लॉजिस्टिक्स लागत कम हो रही है और देश की अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में योगदान मिल रहा है।

रेलवे का मिशन स्पीड: 549 ट्रेनों की गति बढ़ी, कार्यकुशलता में ऐतिहासिक सुधार।

2025 में 122 नई ट्रेनें शुरू की गई जिससे यात्रा तेज हुई और आम आदमी की सेवा में समय की पाबंदी सुधरी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने ट्रेन समय सारणी 2026 के अंतर्गत अनेक नई ट्रेनें शुरू करने के अलावा मौजूदा सेवाओं का विस्तार किया और ट्रेनों के फेरे बढ़ाए। इसके साथ ही कई ट्रेनों को सुपरफास्ट में तब्दील किया और विभिन्न रेलवे जोन में सेवाओं की गति बढ़ाई गई। मध्य रेलवे जोन में 4 नई ट्रेनें चलाई गई, 6 का विस्तार किया गया और 30 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई गई। इसी तरह पूर्व तटीय रेलवे में 4 नई ट्रेनों चलाई गई, 4 का विस्तार किया गया और 3 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। पूर्व मध्य रेलवे में उल्लेखनीय विस्तार करते हुए 20 नई ट्रेनें चलाई गई, 20 का विस्तार किया गया और 12 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई। पूर्व रेलवे में भी 6 नई ट्रेनें चलाई गई, 4 का विस्तार किया गया और 32 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई।

उत्तर मध्य रेलवे ने 2 नई ट्रेनों शुरू कीं, 4 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 1 ट्रेन की गति बढ़ाई। उत्तर पूर्व रेलवे ने 8 नई ट्रेनें जोड़ीं, 4 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 12 ट्रेनों की गति में इजाफा किया। उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे ने 10 नई ट्रेनें शुरू कीं और 36 ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई। इसी तरह, उत्तर रेलवे ने 20 नई ट्रेनें शुरू कीं, 10 का विस्तार किया और 24 ट्रेनों की गति बढ़ाई। उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपनी सेवा में 12 नई ट्रेनें जोड़ीं, 6 का विस्तार किया, 2 के फेरे बढ़ाए और 89 ट्रेनों की गति में वृद्धि की।

दक्षिण रेलवे ने 6 नई ट्रेनें शुरू कीं, 4 का विस्तार किया, 2 को सुपरफास्ट में परिवर्तित किया और 75 ट्रेनों की गति बढ़ाई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 8 नई ट्रेनें शुरू कीं, 6 का विस्तार किया, 8 को सुपरफास्ट में तब्दील किया और 117 ट्रेनों की गति बढ़ाई जो सभी जोनों में सबसे ज्यादा है।

पश्चिम मध्य रेलवे ने 8 नई ट्रेनें शुरू कीं और 27 ट्रेनों की गति बढ़ाई। वहीं, पश्चिम रेलवे ने 10 नई ट्रेनें शुरू कीं, 10 ट्रेनों का विस्तार किया, 2 ट्रेनों के फेरे बढ़ाए और 80 ट्रेनों की गति में सुधार किया।

कुल मिलाकर, ट्रेनों की समय सारिणी 2026 के तहत, 122 नई ट्रेनें शुरू की गई, 86 ट्रेनों का विस्तार किया गया, 8 ट्रेनों के फेरे बढ़ाये गए, 10 ट्रेनों को सुपरफास्ट ट्रेनों में बदला गया और 549 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई।

नई ट्रेनों की शुरुआत का विवरण

ट्रेन समय सारणी 2026 के तहत प्रीमियम, एक्सप्रेस और पैसेंजर सभी तरह की सेवाओं मेंमुं मिलाजुला कर 122 नई ट्रेनों को शामिल किया गया। इनमें से 26 'अमृत भारत' ट्रेनें शुरू की गई, जिनमें 4 ट्रेनें टीएजी-टीओडी के माध्यम से शुरू की गई हैं। सबसे अधिक हिस्सेदारी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की है जिनकी 60 सेवाएँ शुरू की गई, जिनमें से 8 सेवाएँ टीएजी-टीओडी के माध्यम से शुरू हुई। इसके अतिरिक्त 2 हमसफर ट्रेनें, 2 जन शताब्दी ट्रेनें, 2 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएँ और 2 राजधानी ट्रेनें शुरू की गई।

इसके अतिरिक्त, सेमी-हाई-स्पीड कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 28 वंदे भारत ट्रेनें जोड़ी गई। कुल मिलाकर, इन श्रेणियों में इस अवधि के दौरान शुरू की गई कुल 122 नई ट्रेनें शामिल हैं।

ट्रेनों की गति बढ़ाई गई

समय की पाबंदी में सुधार और यात्रा के समय को कम करने के लिए ट्रेनों की समय सारिणी 2026 के तहत कुल 549 ट्रेनों की गति बढ़ा दी गई है। इनमें से 376 ट्रेनों की गति 5 से 15 मिनट तक, 105 ट्रेनों की गति 16 से 30 मिनट तक, 48 ट्रेनों की गति 31 से 59 मिनट तक और 20 ट्रेनों की गति 60 मिनट या उससे अधिक बढ़ा दी गई।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने इसमें प्रमुख योगदान दिया, जिन ट्रेनों की गति बढ़ाई गई उनमें 66 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट, 29 ट्रेनों की गति 16-30 मिनट, 12 ट्रेनों की गति 31-59 मिनट और 10 की 60 मिनट या उससे अधिक की गति वाली 10 ट्रेनें शामिल हैं। मध्य रेलवे ने 13 ट्रेनों की गति में 5–15 मिनट, 13 ट्रेनों में 16–30 मिनट और 4 ट्रेनों में 31–59 मिनट का सुधार किया। पूर्व तटीय रेलवे ने 2 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट और 1 ट्रेन की गति 16-30 मिनट बढ़ाई। पूर्व मध्य रेलवे ने 7 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट, 2 ट्रेनों की 16-30 मिनट, 2 ट्रेनों की 31-59 मिनट और 1 ट्रेन की गति में 60 मिनट या उससे अधिक का सुधार किया। पूर्व रेलवे ने भी 29 ट्रेनों की गति में 5-15 मिनट और 3 ट्रेनों में 16-30 मिनट की वृद्धि की।

उत्तर मध्य रेलवे ने 1 ट्रेन की गति में 5-15 मिनट का सुधार किया। पूर्वोत्तर रेलवे ने 9 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट और 3 ट्रेनों की गति 16–30 मिनट बढ़ाई। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने २० ट्रेनों की गति में 5–15 मिनट, 10 ट्रेनों में 16–30 मिनट, 3 ट्रेनों में 31–59 मिनट और 3 ट्रेनों में 60 मिनट या उससे अधिक का सुधार किया। उत्तर रेलवे ने 22 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट और 2 ट्रेनों की गति 16-30 मिनट बढ़ाई। उत्तर पश्चिम रेलवे ने 67 ट्रेनों की गति को 5-15 मिनट, 14 ट्रेनों में 16-30 मिनट, 7 ट्रेनों में 31-59 मिनट और 1 ट्रेन की गति को 60 मिनट से अधिक बढ़ाया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 9 ट्रेनों की गति 5-15 मिनट और 2 ट्रेनों की गति 16–30 मिनट बढ़ाई। दक्षिण रेलवे ने 53 ट्रेनों की गति में 5–15 मिनट, 10 ट्रेनों में 16–30 मिनट, 9 ट्रेनों में 31–59 मिनट और 3 ट्रेनों में 60 मिनट से अधिक का सुधार किया। पश्चिम मध्य रेलवे ने 25 ट्रेनों की गति 5–15 मिनट, 1 ट्रेन की गति 16–30 मिनट और 1 ट्रेन की गति 31–59 मिनट बढ़ाई। पश्चिम रेलवे ने 53 ट्रेनों की गति को 5–15 मिनट, 15 ट्रेनों में 16–30 मिनट, 10 ट्रेनों में 31–59 मिनट और 2 ट्रेनों की गति को 60 मिनट या उससे अधिक बढ़ाया।

कुल मिलाकर, ट्रेनों की समय सारणी 2026, यात्रा के समय और यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए इंडियन रेलवे के मजबूत इरादे को दिखाती है। सभी जोन में 549 ट्रेनों की गति बढ़ाने की इस पहल से समयपालन, परिचालन दक्षता और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा जिससे देश भर में तेज और अधिक विश्वसनीय रेल सेवाएँ सुनिश्चित होंगी।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/ श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

अपने गन्तव्य स्थान की ओर जाने वाली स्पेशल ट्रेन पकड़ने के लिए सम्बन्धित स्टेशन पर ही पहुँचें।

दिशा	गाड़ी मिलने का स्टेशन
मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, पटना, गया की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना, जबलपुर की ओर	प्रयागराज जं. नैनी जं., प्रयागराज छिवकी
कानपुर, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
लखनऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर, अयोध्या की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
वाराणसी, मऊ, गोरखपुर, बलिया की ओर	प्रयागराज रामबाग झूसी

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा

क्र.सं.	पर्व का नाम	तिथि	दिन	यातायात प्रतिबंध की अवधि
1	माघी पूर्णिमा	01-02-2026	रविवार	दिनांक – 31.01.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 03.02.2026 को 24:00 बजे तक
2	महाशिवरात्रि	15-02-2026	रविवार	दिनांक – 14.02.2026 को 00:00 बजे से दिनांक – 17.02.2026 को 24:00 बजे तक

मुख्य स्नान दिवसों पर प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर निकास एवं प्रवेश की व्यवस्था

प्रयागराज जं. से निकास - केवल सिविल लाइन्स की ओर से

प्रयागराज जं. पर प्रवेश - लीडर रोड द्वारा केवल सिटी साइड की ओर से

प्रयागराज जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित है:-

प्रवेश द्वार सं. एवं रंग	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1 लाल रंग	1 लाल रंग	वाराणसी एवं लखनऊ की ओर	7 से 10
2 नीला रंग	2 नीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	4,5
3 पीला रंग	3 पीला रंग	मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना की ओर	1
4 हरा रंग	4 हरा रंग	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	2,3
5	5	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

सूबेदारगंज स्टेशन से निकास - केवल जी.टी रोड की ओर से

सूबेदारगंज स्टेशन पर प्रवेश - केवल राजरूपपुर की ओर से

सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए गए यात्री आश्रय का विवरण निम्नांकित है:-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं.	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	-	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	1
3	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

प्रयागराज छिवकी स्टेशन से निकास - केवल GEC रोड से

प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रवेश - केवल COD रोड से

प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित है:-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1A	1 हरा रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1, 2
1B	2 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3, 4
1B	3	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3, 4
2	4	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से

नैनी जं. से निकास – केवल माल गोदाम की ओर से

नैनी जं. पर प्रवेश – केवल स्टेशन रोड से

नैनी जं. पर अलग-अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयों का विवरण निम्नांकित है:-

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	1 हरा रंग	कानपुर की ओर	2
1	2 नीला रंग	मानिकपुर, चित्रकूट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3
1	3 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3
2	-	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफॉर्म से
3, 4	4A, 4B पीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की ओर	1

यह ज़रूर करें

- अपने साथ के छोटे बच्चों तथा वृद्धजनों की जेब में घर के किसी सदस्य का नाम, मोबाइल नंबर तथा घर का पूरा पता कागज पर लिखकर रख दें, जिससे खो जाने पर आसानी से उन्हें आपके पास पहुंचाया जा सके। इसी प्रकार अपने अटैची व बैग में भी पूरा पता लिखी हुई पर्ची अवश्य रखें।
- जेबकतरों व अराजक तत्वों से सतर्क रहें तथा अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें। यात्रा के दौरान सूटकेस, अटैची आदि सामान को सीट अथवा बर्थ से लगी हुई चेन में बांधकर उसमें ताला लगा कर रखें।
- खड़े होने तथा बैठने के स्थान व आस-पास के व्यक्तियों को सावधानी पूर्वक देख लें, कहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति/सामान तो नहीं है। किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु होने पर निकटतम पुलिसकर्मी से मदद लें और उसकी सूचना तुरंत दें।
- गाड़ियों के स्टेशन से रवाना होते समय यात्रीगण अपने पहने हुए जेवरात तथा अन्य कीमती सामान के प्रति सचेत रहें।
- अपना सामान केवल कुलियों अथवा यात्री सुविधा केंद्र के कर्मियों के द्वारा ही ले जाएं तथा उनका बैज नंबर अवश्य नोट करें।
- किसी भी घटना या परेशानी के लिए तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल से सहायता प्राप्त करें।

यह बिल्कुल न करें

- किसी भी लावारिस वस्तु को न छुएं, यह बम अथवा अन्य विस्फोटक वस्तु हो सकती है। इसकी सूचना तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस/रेलवे सुरक्षा बल कर्मी अथवा 139 पर अवश्य दें।
- किसी अपरिचित व्यक्ति द्वारा दी गई खाने-पीने की वस्तु का उपयोग न करें इसमें ज़हर हो सकता है। खाने-पीने का सामान अधिकृत वेंडरों से ही खरीदें।
- चलती गाड़ी को रोकने के लिए अनावश्यक चेन खींचना अपराध है। ऐसा करने पर जुर्माना तथा जेल दोनों हो सकती है।
- टिकट हमेशा टिकट खिड़की, ए.टी.वी.एम. अथवा रेलकर्मी के पास उपलब्ध मोबाइल टिकटिंग मशीन से ही खरीदें, किसी अनाधिकृत व्यक्ति से नहीं।
- स्टेशन एवं ट्रेन के डिब्बे को गंदा ना करें, इससे बीमारी फैल सकती है तथा दण्डनीय अपराध है।
- ट्रेन की छत पर यात्रा न करें, क्योंकि ऊपर लगे उच्चतापीय विद्युत तारों से आपकी जान को खतरा हो सकता है।
- स्टेशन परिसर में कृपया धूम्रपान न करें, इससे आग लगने का खतरा रहता है तथा यह दण्डनीय अपराध भी है।
- ट्रेन में यात्रा करने के लिए टिकट क्रय करने हेतु किसी भी व्यक्ति को अतिरिक्त पैसा न दें।
- जरूरत से अधिक सामान लेकर न चलें, यात्रा में कठिनाई हो सकती है।

रेलवे से सम्बन्धित जानकारी एवं अन्य सहायता हेतु वेबसाइट https://melarailseva.com/digital/ पर जायें या दिया गया QR स्कैन करें।

माघ मेला रेलवे टोल फ्री नंबर 1800 4199 139

अपना अनारक्षित टिकट स्वयं बनाने हेतु UTS on Mobile App डाउनलोड करें। **UTS on Mobile App** डाउनलोड करने के लिए QR स्कैन करें।

कृपया उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, बिना टिकट यात्रा दंडनीय अपराध है।

उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान

नोटः- तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटर खाले गये हैं।

200/26 (A)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए माघ मेला-2026 के दौरान रेलगाड़ियों के विस्तार का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 11273/11274 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का चुनार तक विस्तार

गाड़ी संख्या-11273 इटारसी-चुनार			गाड़ी संख्या-11274 चुनार-इटारसी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	17:15	इटारसी	11:30	----
06:50	06:52	मानिकपुर	23:05	23:07
09:55	10:15	प्रयागराज छिवकी	19:45	20:15
11:10	11:12	मेजा रोड	18:08	18:10
11:30	11:32	माण्डा रोड	17:45	17:47
11:58	12:00	विन्ध्याचल	17:13	17:15
12:13	12:15	मिर्ज़ापुर	16:55	16:57
13:30	----	चुनार	----	16:30

इटारसी सेः- गाड़ी संख्या 11273, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
चुनार सेः- गाड़ी संख्या 11274, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 63237/63238 प. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 63237 प. दीनदयाल उपाध्याय - फतेहपुर			गाड़ी संख्या - 63238 फतेहपुर - प. दीनदयाल उपाध्याय	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	04:00	प. दीनदयाल उपाध्याय	23:55	----
09:00	09:15	प्रयागराज	18:20	18:35
09:25	09:27	सूबेदारगंज	17:30	17:32
09:53	09:55	भरवारी	16:33	16:35
10:13	10:15	सिराथू	16:13	16:15
10:40	10:42	खागा	15:28	15:30
12:00	----	फतेहपुर	----	15:00

प. दीनदयाल उपाध्याय सेः- गाड़ी संख्या 63237, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026 **फतेहपुर सेः-** गाड़ी संख्या 63238, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64629/64630 कानपुर सेंट्रल-फफूंद मेमू (प्रतिदिन) का प्रयागराज तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64630 फफूंद-प्रयागराज			गाड़ी संख्या-64629 प्रयागराज-फफूंद	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	08:15	फफूंद	20:10	----
09:55	10:05	कानपुर सेंट्रल	18:00	18:10
10:10	10:12	सरसौल	17:05	17:07
11:08	11:10	बिन्दकी रोड	16:45	16:47
11:28	11:30	मलवां	16:30	16:32
11:45	11:50	फतेहपुर	16:10	16:15
13:30	----	प्रयागराज	----	13:50

फफूंद सेः- गाड़ी संख्या 64630, दिनांक 13.01.2026 से 20.01.2026, 22.01.2026 से 25.01.2026, 31.01.2026 से 03.02.2026, 14.02.2026 से 17.02.2026
प्रयागराज सेः- गाड़ी संख्या 64629, दिनांक 13.01.2026 से 20.01.2026, 22.01.2026 से 25.01.2026, 31.01.2026 से 03.02.2026, 14.02.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64595/64596 प. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 64595 प. दीनदयाल उपाध्याय - फतेहपुर			गाड़ी संख्या - 64596 फतेहपुर - प. दीनदयाल उपाध्याय	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	16:30	प. दीनदयाल उपाध्याय	11:55	----
20:35	20:50	प्रयागराज	07:15	07:30
21:30	21:32	भरवारी	06:05	06:07
22:05	22:07	सिराथू	05:33	05:35
22:38	22:40	खागा	05:03	05:05
23:30	----	फतेहपुर	----	04:35

प. दीनदयाल उपाध्याय सेः- गाड़ी संख्या 64595, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026 **फतेहपुर सेः-** गाड़ी संख्या 64596, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64591/64592 कानपुर सेंट्रल-सूबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का चुनार तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64592 कानपुर सेंट्रल-चुनार			गाड़ी संख्या-64591 चुनार-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	14:50	कानपुर सेंट्रल	11:30	----
20:30	20:35	सूबेदारगंज	06:05	06:10
21:05	21:15	प्रयागराज	05:45	05:55
21:30	21:32	नैनी	05:28	05:30
22:05	22:07	मेजा रोड	05:05	05:07
22:45	22:47	माण्डा रोड	04:45	04:47
23:20	23:22	विन्ध्याचल	03:40	03:42
23:40	23:42	मिर्ज़ापुर	03:28	03:30
02:00	----	चुनार	----	03:05

कानपुर सेंट्रल सेः- गाड़ी संख्या 64592, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
चुनार सेः- गाड़ी संख्या 64591, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64593/64594 कानपुर सेंट्रल-फतेहपुर मेमू (प्रतिदिन) का प्रयागराज तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 64594 कानपुर सेंट्रल - प्रयागराज			गाड़ी संख्या - 64593 प्रयागराज - कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	18:25	कानपुर सेंट्रल	10:00	----
20:40	20:45	फतेहपुर	07:10	07:20
21:15	21:17	खागा	04:20	04:22
21:38	21:40	सिराथू	03:33	03:35
22:03	22:05	भरवारी	02:53	02:55
01:30	----	प्रयागराज	----	02:15

कानपुर सेंट्रल सेः- गाड़ी संख्या 64594, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
प्रयागराज सेः- गाड़ी संख्या 64593, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64603/64604 कानपुर सेंट्रल-इटावा मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64604 इटावा-फतेहपुर			गाड़ी संख्या-64603 फतेहपुर-इटावा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	17:20	इटावा	10:00	----
20:15	20:25	कानपुर सेंट्रल	06:45	06:50
20:50	20:52	सरसौल	05:38	05:40
21:10	21:12	बिन्दकी रोड	05:15	05:17
21:28	21:30	मलवां	05:00	05:02
22:30	----	फतेहपुर	----	04:45

इटावा सेः- गाड़ी संख्या 64604, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
फतेहपुर सेः- गाड़ी संख्या 64603, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं0 **1800 4199 139** **उत्तर मध्य रेलवे**

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 84/26(A)

आयुषएक्सील और जेप्टो ने डिजिटल पहुंच मजबूत करने और आयुष उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने आयुष निर्यात प्रोत्साहन परिषद (आयुषएक्सील) और जेप्टो लिमिटेड के बीच देशभर में आयुष औषधियों और अन्य स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों की एक ऑनलाइन पहुंच को सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए एक समझौता प्रपत्र (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह MoU पारंपरिक स्वास्थ्य उत्पादों में गुणवत्ता अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करते हुए डिजिटल खोज को मजबूत करने का लक्ष्य रखता है।

कार्यक्रम को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए, केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि नवाचार-प्रेरित भारतीय स्टार्टअप्स विश्वसनीय स्वास्थ्य उत्पादों को देश के अंतिम छोर तक अपनी उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि जेप्टो जैसे विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारियां यह दर्शाती हैं कि कैसे प्रौद्योगिकी को जिम्मेदारीपूर्वक बड़े पैमाने पर उपयोग करके भारत की समृद्ध आयुष विरासत को देशव्यापी आधुनिक, पारदर्शी और सुविधाजनक वितरण चौनलों से जोड़ा जा सकता है।

मंत्री ने आगे कहा कि यह सहयोग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत किया जाना है। उन्होंने उल्लेख किया कि ऐसी पहल उपभोक्ताओं को विकल्प प्रदान करती हैं, जबकि आयुष निर्माताओं के लिए बिना गुणवत्ता, सुरक्षा या नियामक मानकों पर समझौता किए नए बाजार अवसर खोलती हैं।

इस समझौता प्रपत्र पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा की उपस्थिति में हस्ताक्षर हुआ, और इसे आयुषएक्सील के अध्यक्ष श्री अनुराग शर्मा तथा जेप्टो के सह-संस्थापक और सीईओ श्री कैवल्य वोहरा द्वारा निष्पादित किया गया।

आयुषएक्सील के अध्यक्ष श्री अनुराग शर्मा ने कहा कि यह साझेदारी आयुष निर्माताओं, विशेष रूप से एमएसएमई को डिजिटल उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए एक सुव्यवस्थित मार्ग बनाती है। उन्होंने कहा कि आयुषएक्सील निर्धारित गुणवत्ता और नियामक मानकों को पूरा करने वाले योग्य निर्माताओं की पहचान करके इसे सुगम बनाएगा, जिससे प्रामाणिकता पर समझौता किए बिना व्यापक बाजार तक पहुंच संभव हो सकेगी। कार्यक्रम में बोलते हुए, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि उत्पाद गुणवत्ता, नियामक अनुपालन और जनता का विश्वास सुनिश्चित करना मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग गुणवत्ता आश्वासन तंत्रों को मजबूत करने के लिए संरचित है, जिसमें आयुष क्वालिटी मार्क का प्रचार भी शामिल है और साथ ही आयुष प्रथाओं पर सटीक और विज्ञान-समर्थित जानकारी की एक जिम्मेदार तरीके से प्रसार करना भी संभव बनाना है। जेप्टो के सह-संस्थापक और सीईओ श्री कैवल्य वोहरा ने कहा कि इस सहयोग के अंतर्गत जेप्टो एक समर्पित आयुष स्टोरफ्रंटको होस्ट करेगा, जो उपभोक्ताओं को सत्यापित आयुष उत्पादों की अधिक स्पष्टता और विश्वास के साथ खोज करने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफॉर्म पारदर्शी सोर्सिंग, अनुपालन और एक सहज डिजिटल अनुभव पर ध्यान केंद्रित करेगा।

इस समझौता प्रपत्र के तहत, आयुषएक्सील योग्य आयुष निर्माताओं की सिफारिश करेगा और नियामक अनुपालन के लिए शैक्षिक सामग्री की समीक्षा करेगा, जबकि जेप्टो अपनी प्लेटफॉर्म पर समर्पित आयुष स्टोरफ्रंट के माध्यम से उत्पाद खोज का समर्थन करेगा। इस सहयोग में संयुक्त उपभोक्ता जागरूकता भी शामिल हैं और मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मानकों, जिसमें आयुष क्वालिटी मार्क शामिल है, उसे अपनाने को प्रोत्साहित किया जायेगा ।

समझौता प्रपत्र की प्रमुख विशेषताएं:

- जेप्टो पर एक पूरे तौर से समर्पित आयुष स्टोरफ्रंट का निर्माण, जो उपभोक्ताओं को सत्यापित आयुष औषधियों और स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों तक आसानी से पहुंच प्रदान करेगा।
- आयुष क्वालिटी मार्क (AQM) के अनुपालन का प्रचार, जो प्रमाणित मानकों, गुणवत्ता और प्रामाणिकता का पालन सुनिश्चित करेगा।
- आयुषएक्सील द्वारा योग्य आयुष निर्माताओं विशेष रूप से एमएसएमई की पहचान और सिफारिश डिजिटल ऑनबोर्डिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए किया जायेगा।
- प्रामाणिक जानकारी और आयुष उत्पादों के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त उपभोक्ता जागरूकता की पहल।
- आयुष प्रणालियों पर विश्वसनीय शैक्षिक सामग्री के विकास और होस्टिंग पर सहयोग, जिसे आयुषएक्सील द्वारा मान्य किया जाएगा और जेप्टो प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा।

77वें गणतंत्र दिवस परेड में आयुष झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया

नेशनल आयुष मिशन के तहत पारंपरिक, तकनीक से चलने वाली स्वास्थ्य सेवा और अंतिम छोर तक विशिष्ट वितरण का एक शानदार उदाहरण

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से 77वें गणतंत्र दिवस परेड में आयुष मंत्रालय की झांकी को प्रदर्शित किया गया, जिसमे भारत की एकीकृत पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर व्यापक रूप से प्रस्तुत किया गया ।

आयुष मंत्रालय की राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के नेतृत्व में झांकी की अवधारणा, ''आयुष का तंत्र, स्वास्थ्य का मंत्र'' विषय पर आधारित थी, जो आत्मनिर्भर भारत और जन-केंद्रित विकास के वृहद राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ श्रेणीबद्ध थी।

झांकी के द्वारा स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के सभ्यतागत दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा अर्थात उपचार का ज्ञान और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां निवारक, संवर्धक तथा समुदाय-आधारित स्वास्थ्य देखभाल को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

झांकी के अग्रभाग में प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के माध्यम से आयुष की मूलभूत जड़ों को दर्शाया गया है। इसमें सृजनात्मक शिल्प आकृतियों और औषधीय पौधों के रूपांकनों ने मानव स्वास्थ्य और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के बीच घनिष्ठ संबंध को प्रदर्शित किया गया और आयुष के मुख्य सिद्धांतों के तौर पर सतत विकास और ''सर्वांगीण शिक्षा'' पर बल दिया। झांकी में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ढांचे में आयुष के संरचित एकीकरण को प्रदर्शित किया गया। दृश्य तत्वों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष), संस्थागत क्षमता निर्माण, शिक्षा और अनुसंधान पहल सहित जमीनी स्तर पर आयुष सेवाओं के विस्तार को रेखांकित किया गया झांकी में डिजिटल रूप से सक्षम वेलनेस लीडर के रूप में भारत के उद्भव को भी दर्शाया गया है। एनएएम के तहत प्रौद्योगिकी-संचालित पहलों को मात और शिशु देखभाल, बुजुर्गों की भलाई और स्कूल स्तर पर आयुष अवधारणाओं की शीघ्र शुरूआत का समर्थन करने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों के दृश्य प्रतिनिधित्व के माध्यम से प्रकाश डाला गया, जो स्वास्थ्य सेवा के लिए एक व्यापक जीवन-चक्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अरिषदवर्ग अर्थात छह आंतरिक चुनौतियो को चित्रित करने वाला एक कलात्मक खंड - मानसिक संतुलन, भावनात्मक कल्याण और आंतरिक अनुशासन को बढ़ावा देने में आयुष प्रथाओं की भूमिका का प्रतीक है। इस खंड ने आधुनिक जीवनशैली से संबंधित स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करने में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और स्व-देखभाल के महत्व को प्रदर्शित किया।

दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों को डिजिटाइज करने के लिए और बेरहामपुर विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर सीसीआरएएस समारोह

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत की चिकित्सा विरासत की रक्षा और प्रचार के लिए एक ऐतिहासिक पहल में, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय और बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा, दक्षिण ओडिशा सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र (एसओसीएससी) में संरक्षित दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों और ताड़ के पत्तों के दस्तावेजों को डिजिटाइज, सूचीबद्ध और प्रकाशित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह का आयोजन केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), भुवनेश्वर में किया जाएगा। यह समारोह प्रो. गीतांजलि दास, माननीय कुलपति, बेरहामपुर विश्वविद्यालयय प्रो. (वैद्य) रवीन्द्र-नारायण आचार्य, महानिदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसी- आरएएस), नई दिल्ली तथा प्रो. बी. एस. प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति परिषद (एनसीआईएसएम)) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा। यह शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद के नेतृत्व में किया जाएगा, जो कि सीसीआरएएस की एक परिधीय इकाई है।

प्राचीन और आधुनिक प्रौद्योगिकी का समन्वय

बेरहामपुर विश्वविद्यालय में 2,000 से अधिक ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों का एक विशिष्ट संग्रह है, जिनमें से अधिकांश में अमूल्य आयुर्वेदिक ज्ञान है और यह व्यापक वैज्ञानिक समुदाय के लिए अप्रकाशित और दुर्गम है। इस साझेदारी के माध्यम से, सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच इन नाजुक दस्तावेजों को भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करने के लिए उन्नत डिजिटलीकरण तकनीकों का उपयोग करेगा।

एआईआईए ने आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप्स के लिए एमएसएमई अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 मनाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 के अवसर पर नई दिल्ली परिसर में आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप के लिए एमएसएमई अवसरों पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एआईआईए के स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर (एआईआईएआईसीए.आईएनई) और भारत सरकार के एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद के क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और उद्यमियों ने एमएसएमई और स्टार्टअप तंत्र को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। विशेषज्ञों ने सरकारी सहायता योजनाओं, बौद्धिक संपदा संरक्षण (आईपीआर), प्रमाणन, मानकीकरण और शुरुआती चरणों में स्टार्टअप के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. आर.के. भारती ने स्वास्थ्य सेवा और पारंपरिक चिकित्सा के लिए मजबूत नीति-समर्थित तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

तकनीकी सत्रों के दौरान सुश्री संगीता नागर ने आईपीआर के महत्व और सुश्री ज्योति नीरज ने सिडबी के माध्यम से उपलब्ध वित्तीय सहायता और वित्तपोषण अवसरों पर प्रकाश डाला। एमएसएमई के उप निदेशक श्री सुनील कुमार ने आयुर्वेद उद्यमों के लिए विशिष्ट सरकारी पहलों का विवरण साझा किया। कार्यक्रम का समापन एआईआईए-आईसीएआईएनई के सीईओ श्री सुजीत एरानेझथ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एआईआईएआईसीएआईएनई को एमएस.एमई मंत्रालय द्वारा एक मेजबान संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह केंद्र नवप्रवर्तकों को उनके विचारों को प्रभावशाली और टिकाऊ स्वास्थ्य समाधानों में बदलने के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान कर रहा है। संस्थान ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर आयुर्वेद में साक्ष्य-आधारित और समावेशी नवाचारों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने नई दिल्ली में सीएवाईईटी के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के अधीन सर्वोच्च संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आयुर्वेद शिक्षा, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएवाईईटी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस साझेदारी का उद्देश्य आयुर्वेद क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवोन्मेषी शैक्षिक ढांचों को बढ़ावा देना है।

एआईआईए के निदेशक प्रो. (वैद्य) पी. के. प्रजापति ने एआईआईए की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि सेंटर फॉर आयुर्वेद एजुकेशन, इनोवेशन एंड टेक्नोल जी (सीएवाईईआईटी) के अध्यक्ष एवं सीईओ प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने सीएवाईईआईटी की ओर से हस्ताक्षर किए।

औपचारिक समारोह बृहस्पति देव त्रिगुण सभागार में संपन्न हुआ। कुमारभृत्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. महापात्रा अरुण कुमार ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद सीएवाईईआईटी के मुख्य शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी श्री अविरल अपूर्वा ने समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों पर संक्षिप्त जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, एआईआईए के निदेशक, प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने इस बात पर जोर दिया कि सीएवाईईआईटी की तकनीकी दक्षता और एआईआईए की नैदानिक उत्कृष्टता का एकीकरण विद्वानों को पारंपरिक अनुसंधान को वैश्विक समाधानों में बदलने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

इस कार्यक्रम में मंच पर कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद उपस्थित थे, जिनमें प्रो. राजगोपाला एस. (डीन रिसर्च और विभागाध्यक्ष, कुमारभृत्य) और प्रो. मंजुषा राजगोपाला (डीन, आयुर्वेद संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय और विभागाध्यक्ष, शल्या) के साथ-साथ एआईआईए के निदेशक भी शामिल थे। समारोह के बाद, एआईआईए के पूर्व निदेशक प्रो. अभिमन्यु कुमार ने ''आयुर्वेद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग'' शीर्षक पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कैसे एआई और मशीन लर्निंग व्यक्तिगत ''प्रकृति-आधारित'' चिकित्सा के लिए पारंपरिक डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं और आयुर्वेद के लिए वैश्विक प्रमाण प्रदान करने हेतु नेटवर्क फार्माकोल जी के उपयोग का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन एआईआईए नई दिल्ली के कुमारभृत्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अब तक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने 74 राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन और 20 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रेल मंत्रालय के सहयोग से खरीफ और रबी 2025 में उर्वरक आपूर्ति को मिली नई रफ्तार

सूत्र/रे.स.ब्यू- किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा है। इसी दिशा में खरीफ और रबी 2025 के दौरान रेल मंत्रालय और उर्वरक विभाग के बीच बेहतर तालमेल का असर जमीनी स्तर पर साफ तौर पर देखने को मिला। उर्वरक रेकों की तेज और सुचारु आवाजाही से राज्यों तक समय पर आपूर्ति की गई, जिससे खेती के अहम दौर में किसानों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। उर्वरक विभाग ने कहा कि रेलवे मंत्रालय से मिल इस सहयोग की वजह से हम देश के हर कोने तक पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने में सफल हो सके। विभाग का मानना है इस अभूतपूर्व समन्वय की वजह से खाद्य सुरक्षा को लेकर भारत सरकार का संकल्प नई ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस उपलब्धि का आकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि जुलाई 2025 में औसतन 72 रेक प्रतिदिन की लोडिंग हुई, जो अगस्त में 78 और सितंबर में बढ़कर 80 रेक प्रतिदिन तक पहुंच गई। यह पिछले पांच खरीफ सत्रों में अब तक का सर्वोच्च स्तर रहा।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अप्रैल से दिसंबर 2025 तक देश के सभी राज्यों में प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त और संतोषजनक उपलब्धता सुनिश्चित की गई। यूरिया के लिए 312.40 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 350.45 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता कराई गई।

इसी तरह प्रमुख पी एंड के उर्वरकों (जैसे डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस) की आवश्यकता 252.81 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले 287.69 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। उर्वरकों की ढुलाई में भी उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच कुल 530.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई, जो पहली बार 500 लाख मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 (472.58 लाख मीट्रिक टन) की समान अवधि की तुलना में 12.2 प्रतिशत अधिक है तथा वर्ष 2023-24 के पूर्व रिकॉर्ड से 8.5 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान यूरिया के लिए कुल 10,841 रेक का संचालन किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। जबकि पी एंड के उर्वरकों (जैसे डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस) के लिए 8,806 रेक चलाए गए, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

प्रति माह औसत उर्वरक रेकों की संख्या जुलाई से जनवरी (13 जनवरी तक) की माहवार तुलना से यह स्पष्ट होता है कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उर्वरक रेक की आवाजाही में निरंतर और स्थायी वृद्धि दर्ज की गई है।

रेल मंत्रालय, बंदरगाहों, राज्य सरकारों और उर्वरक कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण उर्वरकों की आवाजाही में यह सुधार संभव हो पाया। समय पर योजना, लगातार निगरानी और आपसी तालमेल से किसानों तक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

बेहतर समन्वय से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा उर्वरक रेक मूवमेंट देशभर में किसानों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त और सुचारु उपलब्धता सशक्त योजना और सतत निगरानी से मजबूत हुई खाद्य सुरक्षा।

भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाई, केवल दो सप्ताह में 4.5 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन प्रदान किया

प्रयागराज में 40 विशेष रेलगाडियों ने 18 जनवरी को बिना नियमित सेवाओं को बाधित किए 1 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान की

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान रेल यातायात का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया और 3 जनवरी 2026 से देशभर में 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाई, जिससे श्रद्धालुओं की सुगम और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित हुई। उत्तरी रेलवे (एनआर) की 31, उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) की 158 और उत्तर पूर्वी रेलवे (एनईआर) की 55 रेलगाड़ियों द्वारा संचालित इन रेलगाड़ियों से लगभग 4.5 लाख यात्रियों ने यात्रा की। त्योहारों के दौरान परेशानी मुक्त और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सेवाओं की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई और उनका प्रबंधन किया गया।

प्रयागराज में 18 जनवरी को त्यौहार से जुड़ी सर्वाधिक भीड़-भाड़ रही, जिस दौरान 40 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गई, जिनमें 11 एनआर (राष्ट्रीय रेलवे), 22 एनसीआर (राष्ट्रीय रेलवे) और 7 एनईआर (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) की रेलगाड़ियां शामिल थीं, जिनसे लगभग 1 लाख यात्रियों ने यात्रा की। उल्लेखनीय रूप से ,सभी नियमित रेलगाड़ियां निर्धारित समय पर चलीं, जो भारतीय रेल की प्रभावी योजना और परिचालन दक्षता को दर्शाती हैं।

इन विशेष रेलगाड़ियों का सफल संचालन त्यौहारों के सर्वाधिक व्यस्त समय में यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेलवे व्यापक स्तर पर यात्री आवागमन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए प्रौद्योगिकी, संसाधन योजना निर्माण और विभिन्न जोनों के बीच समन्वय का निरंतर लाभ उठा रहा है।

बरेका महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित चेतना प्रशिक्षण केंद्र में पांच दिवसीय प्रशिक्षण उपरांत शिक्षकों को मिला प्रमाणपत्र।

सूत्र/रे.स.ब्यू- बरेका में महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित चेतना प्रशिक्षण केंद्र में दिनांक 16 से 22 जनवरी 2026 तक चाइल्डहुड टेस्टिंग, असेसमेंट और प्रबंधन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूर्ण होने पर दिनांक 27 जनवरी 2026 को सभी शिक्षकों को ''नई सुबह'' संस्था की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

बरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव द्वारा सभी प्रशिक्षकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर चेतना प्रशिक्षण केंद्र में कार्यरत सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को यूनिफॉर्म और प्रशिक्षुओं को मिष्ठान का वितरण किया। तत्पश्चात बरेका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव द्वारा बाल निकेतन विद्यालय एवं क्रेच के शिक्षक एवं कर्मचारियों को भी यूनिफॉर्म एवं बच्चों को मिष्ठान का वितरित किया गया।

इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा, श्रीमती गौरी श्रीवास्तव, श्रीमती गुरमीत कौर,कोषाध्यक्ष, महिला कल्याण संगठन श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव, सचिव, महिला कल्याण संगठन श्रीमती ऋतिका सिंह,श्रीमती शिखा जैन, श्रीमती अंजू गुप्ता, श्रीमती राखी गुप्ता, श्रीमती हंसा तथा श्रीमती अनुजा खरे उपस्थित रहीं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को बाल विकास की गहरी समझ, मूल्यांकन एवं प्रबंधन से संबंधित अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी देना तथा बच्चों की शैक्षणिक एवं मानसिक आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने हेतु उन्हें सशक्त बनाना था।

बैकुंठ और उरकुरा के बीच 426 करोड़ की लागत से चौथी रेलवे लाइन को स्वीकृति

इस विस्तार से भीड़ कम होगी और यात्री यातायात में समय की पाबंदी बेहतर होगी, साथ ही ज़्यादा भरोसेमंद माल ढुलाई संचालन भी सुनिश्चित होगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तहत बैकुंठ और उरकुरा के बीच 26.40 किलोमीटर लंबी चौथी रेलवे लाइन के निर्माण को स्वीकृति दे दी है। इसकी अनुमानित लागत 426.01 करोड़ है।

बैकुंठ-उरकुरा खंड बिलासपुर-रायपुर-नागपुर मेन लाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मुंबई-हावड़ा हाई-डेंसिटी रेलवे नेटवर्क पर भी पड़ता है, जो देश के सबसे व्यस्त रेल कॉरिडोर में से एक है। फिलहाल, यह खंड पूरी क्षमता से चल रहा है, जो क्षमता विस्तार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है।

मंजूर की गई चौथी लाइन से भीड़ काफी कम होगी और ट्रेनों की आवाजाही आसान होगी। यह परियोजना अतिरिक्त यात्री और कोचिंग सेवाओं के लिए क्षमता बनाएगी, देरी कम करेगी और इस अत्यधिक इस्तेमाल वाले खंड पर समय की पाबंदी में सुधार करेगी।

यात्रियों को होने वाले फायदों के अलावा, इस परियोजना से प्रति वर्ष लगभग 14.25 मिलियन टन (MTPA) अतिरिक्त माल ढुलाई की सुविधा मिलने की उम्मीद है। माल ढुलाई क्षमता में इस वृद्धि से भारतीय रेलवे को चालू होने के पहले वर्ष से ही सालाना लगभग 61.70 करोड़ की अतिरिक्त कमाई होने का अनुमान है।

इस क्षेत्र में पावर प्लांट, कोयला खदानों, स्टील और सीमेंट इकाइयों के साथ-साथ नए और संबंधित उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है। नई लाइन भारी सामानों के तेज और ज़्यादा भरोसेमंद परिवहन को सुनिश्चित करेगी, औद्योगिक विकास को समर्थन देगी और सप्लाई चेन को मजबूत करेगी।

इस कार्य की पहचान ऊर्जा, सीमेंट और मिनरल कॉरिडोर के तहत की गई है, जो हाई-ट्रैफिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसंरचना को मजबूत करने पर भारतीय रेलवे के लगातार फोकस को दर्शाता है।

कार्य पूरा हो जाने पर, बैकुंठ और उरकुरा के बीच चौथी लाइन न केवल यात्रियों के लिए यात्रा को तेज, आसान और ज़्यादा भरोसेमंद बनाएगी, बल्कि माल ढुलाई के कार्य को भी बढ़ावा देगी। इससे क्षेत्र के उद्योगों और आर्थिक विकास को सहायता मिलेगी। मुंबई हावड़ा हाई डेंसिटी रूट पर नई रेलवे लाइन पावर, कोयला, स्टील, सीमेंट और अन्य मुख्य उद्योगों को समर्थन देगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अहमदाबाद में 100 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज तैयार

सूत्र/रे.स.ब्यू- गुजरात में 13वें स्टील ब्रिज के पूरा होने के साथ हाई-स्पीड रेल परियोजना की प्रगति जारी

प्रभारतीय रेलवे की सुरक्षित, आधुनिक और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अहमदाबाद जिले में भूमिगत मेट्रो टनल के ऊपर 100 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। गुजरात में नियोजित कुल 17 स्टील पुलों में से यह 13वां स्टील ब्रिज है, जो मौजूदा शहरी परिवहन प्रणालियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी को मजबूती प्रदान करता है।

अहमदाबाद जिले में, बुलेट ट्रेन वायाडक्ट का निर्माण 30 से 50 मीटर के स्पैन वाले 'स्पैन-बाय-स्पैन' संरचनाओं का उपयोग करके किया जा रहा है। हालांकि, इस विशेष स्थान पर रेल अलाइनमेंट कालुपुर और शाहपुर मेट्रो स्टेशनों को जोड़ने वाली भूमिगत मेट्रो सुरंग के ऊपर से गुजरता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बुलेट ट्रेन संरचना का कोई भी भार मेट्रो टनल पर न पड़े, इसकी नींव को सुरंग से काफी दूर रखा गया था। इसके कारण स्पैन की लंबाई को बढ़ाकर लगभग 100 मीटर करना आवश्यक हो गया। तदनुसार, इस हिस्से में सुपरस्ट्रक्चर को SBS वायाडक्ट से बदलकर स्टील ट्रस ब्रिज के रूप में पुनः डिजाइन किया गया, जिससे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर और मेट्रो बुनियादी ढांचे दोनों की संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित हुई और सार्वजनिक संपत्तियों एवं यात्री आवाजाही को सुरक्षित बनाया गया।

इस पुल को जमीन से 16.5 मीटर की ऊंचाई पर अस्थायी 'ट्रेस्टल्स' के सहारे असेंबल किया गया था। असेंबली पूरी होने के बाद, इन अस्थायी सपोर्ट्स को सावधानीपूर्वक हटा दिया गया और पुल को नीचे उतारकर सटीक रूप से स्थायी सपोर्ट सिस्टम पर स्थापित किया गया, जिससे सुरक्षा और संरचनात्मक सटीकता सुनिश्चित हुई।

यह 1,098 मीट्रिक टन वजनी स्टील ब्रिज पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-साबरमती मुख्य लाइन के समानांतर स्थित है। इस संरचना की ऊंचाई 14 मीटर और चौड़ाई 15.5 मीटर है। इसका निर्माण महाराष्ट्र के वर्धा स्थित एक कार्यशाला में किया गया था और इसे ट्रेलरों के माध्यम से साइट तक पहुँचाया गया, जो 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण क्षमता को उजागर करता है।

मुख्य संरचना की असेंबली की सुविधा के लिए, साइट पर 11.5 X 100 मीटर माप का एक अस्थायी प्लेटफॉर्म बनाया गया था। इस पुल के निर्माण में लगभग 45,186 टॉर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्टों का उपयोग किया गया है और इस पर सी5 सिस्टम सुरक्षात्मक पेंटिंग के साथ इलास्टोमेरिक बियरिंग्स का लेप लगाया गया है, जो बेहतर टिकाऊपन, लंबा सेवा जीवन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

यह उपलब्धि यात्रियों और आम जनता के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचा प्रदान करने के भारतीय रेलवे के केंद्रित प्रयासों को रेखांकित करती है, साथ ही मौजूदा शहरी परिवहन नेटवर्क के साथ हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं को सहजता से एकीकृत करती है।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 29 जनवरी 2026 को मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लेटफ र्म संख्या 1 से लेकर स्टेशन सिटी साइड तक का जायजा लिया तथा स्टेशन री डेवलपमेंट के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया।

मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने कानपुर में आगामी दिनों में विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय प्लेटफॉर्म तक सुचारु एवं सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जाए। साथ ही भीड़ प्रबंधन के लिए होल्डिंग एरिया के प्रभावी संचालन के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान आगामी माघ मेला के शेष दो प्रमुख स्नान पर्वो को लेकर भी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण से जुड़े आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने रेलवे ट्रैक की गुणवत्ता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। इसके उपरांत वीआईपी लॉज में अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और समन्वित रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर श्री आशुतोष सिंह वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज श्री विजय प्रकाश पंडित सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

संपादकीय

देश की प्रगति की पहचान - भारतीय रेल

गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमें हमारे संविधान और हमारी एकता की याद दिलाता है। जिस तरह भारत का संविधान हर नागरिक को एक समान अधिकार देता है, उसी तरह भारतीय रेल भी बिना किसी भेदभाव के पूरे देश को एक छोर से दूसरे छोर तक जोड़ती है। वास्तव में, भारतीय रेल हमारे लोकतंत्र की जीती-जागती तस्वीर है।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेल ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। आज हम अपनी स्वदेशी 'वंदे भारत' जैसी आधुनिक ट्रेनों पर गर्व करते हैं। स्टेशनों को सुंदर बनाया जा रहा है और यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। यह प्रगति दर्शाती है कि हमारा गणतंत्र सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और हम एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हैं।

रेलवे की इस सफलता के पीछे हमारे लाखों रेलकर्मियों की कड़ी मेहनत छिपी है। हमारे कर्मचारी दिन-रात, धूप-छांव और सर्दी-गर्मी की परवाह किए बिना देश की सेवा में लगे रहते हैं। उनकी कर्तव्यनिष्ठा की वजह से ही करोड़ों लोग सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुँच पाते हैं। आज के दिन हमें उन सभी साथियों के जज्बे को सलाम करना चाहिए।

इस खास मौके पर हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपनी रेल को और बेहतर बनाएंगे। हम ट्रेनों और स्टेशनों को साफ रखने में मदद करेंगे और रेलवे की संपत्ति का सम्मान करेंगे। जब रेल आगे बढ़ेगी, तभी हमारा देश आगे बढ़ेगा। आइए, हम सब मिलकर भारतीय रेल को सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक बनाने का संकल्प लें और अपने तिरंगे का मान बढ़ाएं।

जय हिन्द!

RailTel to Revolutionize Healthcare in Assam with Advanced Hospital Management Information System (HMIS) Implementation

Source/RailTel- RailTel Corporation of India Limited, a Navratna CPSE under the Ministry of Railways, has secured a landmark order from the Government of Assam to implement an advanced Hospital Management Information System across seven medical college hospitals. Valued at 56.71 crore, the project aims to make healthcare delivery more transparent, efficient, & patient centric.

The web based HMIS software will digitize clinical, diagnostic, and administrative processes. Patients will be able to access their medical records via mobile devices, while doctors will have instant access to clinical data for faster treatment. Administrators will use system generated data for informed decision making. The project covers seven major institutions: Assam Medical College Hospital (Dibrugarh), Guwahati Medical College Hospital, Silchar Medical College Hospital, Fakhruddin Ali Ahmed Medical College Hospital (Barpeta), Tezpur Medical College Hospital, Lakhimpur Medical College Hospital, and Diphu Medical College Hospital.

The system will integrate with medical and diagnostic equipment to ensure a smooth flow of information across departments. This digitization is expected to reduce administrative burdens and improve service turnaround times.

The project timeline spans seven years, including 78 weeks for implementation and a six month stabilization period. Following this, RailTel will provide three years of operations and maintenance support, plus two additional years of onsite comprehensive support.

By bridging gaps between patients and providers through real time data, RailTel is establishing a digitally empowered healthcare ecosystem in Assam. This initiative sets a new benchmark for modern, integrated public healthcare delivery in India.

DMRC TO INTRODUCE INTEGRATED LAST MILE CONNECTIVITY SERVICES IN COLLABORATION WITH SAHKAR TAXI COOPERATIVE LTD.

Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) is set to introduce Integrated Last Mile Connectivity (LMC) services to enhance end-to-end urban mobility across the National Capital Region. This initiative, aligned with the Ministry of Housing and Urban Affairs' vision, aims to provide seamless access to metro stations while addressing air pollution by promoting efficient, organized transport modes.

DMRC has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Sahkar Taxi Cooperative Ltd. (STCL), which operates the Bharat Taxi platform. This platform is an initiative of the Ministry of Cooperation, designed to promote cooperative economic models with transparent service delivery. The collaboration will offer bike taxis, auto-rickshaws, and cab services from metro stations, reducing reliance on informal transport and private vehicles.

Initially, services will launch from 10 identified stations. As a pilot phase, dedicated bike taxi services will be deployed at Millennium City Centre and Botanical Garden stations by 31 January 2026. This phase will help assess operational feasibility and commuter response before a larger expansion.

A major feature of this project is digital integration. The Bharat Taxi mobile application will be integrated with the DMRC Sarthi app, allowing passengers to plan and book door-to-door journeys through a unified platform. Users will be able to check fare estimates, track vehicles, and find available options directly through the app.

Fare rates will remain competitive compared to current market offerings. While peak-hour pricing may be used, surges will be capped to protect passenger interests. To ensure awareness, DMRC will install signage at stations regarding booking locations and services. This initiative is expected to lower vehicular emissions and encourage a modal shift from private vehicles to the metro network.

In a significant step towards improving passenger safety, security and service delivery, Indian Railways has introduced a humanoid robot named "ASC ARJUN" at Visakhapatnam Railway Station.

Source/RSB-Indian Railways has introduced a humanoid robot. This deployment marks a first-of-its-kind initiative on the Indian Railways network. It reflects the organisation's commitment to adopting new & emerging technologies for public convenience and safety. The humanoid robot will work alongside RPF personnel to support station operations, particularly during peak passenger movement.

The robot was unveiled by Inspector General (RPF) Shri Alok Bohra and Divisional Railway Manager Shri Lalit Bohra in the presence of Senior Divisional Security Commandant (RPF) Shri A.K. Dubey. The occasion highlighted Indian Railways' emphasis on innovationled solutions and indigenous development.

ASC ARJUN has been fully designed & developed in Visakhapatnam using home grown technology. A dedicated team worked continuously for more than a year to bring this project to fruition, demonstrating Indian Railways' growing capabilities in integrating advanced systems into day-to-day operations.

The humanoid robot is equipped to assist in intrusion detection through Face Recognition System (FRS), AI-based crowd monitoring, and real-time alerts to RPF control rooms. It can make automated public announcements in English, Hindi and Telugu, helping guide passengers & improve awareness on safety and security matters.

With semi-autonomous navigation along predefined paths & obstacle avoidance, ASC ARJUN can patrol platforms round the clock, supporting effective surveillance while optimising manpower deployment. The robot also features fire and smoke detection systems to enable timely response in emergency situations.

Designed with passenger interaction in mind, ASC ARJUN offers friendly gestures such as Namaste for passengers and salutes for RPF personnel, along with an easy-to-use interface for information and assistance. Indian Railways continues to focus on leveraging technology and indigenous innovation to create a safer, more secure and passenger-friendly railway environment across the country.

Nari Shakti in Action: All-Women Crew Leads Inaugural Amrit Bharat Express Flagged off by Hon'ble PM from Thiruvananthapuram to Mangaluru

The inaugural run from Thiruvananthapuram to Shoranur was managed by a dedicated team of women railway officials:
- **Loco Pilot (Mail): Ms.T. J. Gorethy**
- **Senior Assistant Loco Pilot: Ms. Aswathy Balachandran**
- **Train Manager: Ms. Geetha**

Source/RSB- Marking a significant milestone in the empowerment of women (Nari Shakti) in Indian Railways, the inaugural special of the newly launched Amrit Bharat Express (Train No. 16329) flagged off by Hon'ble Prime Minister ON 23.1.2026 departed Thiruvananthapuram Central for Mangaluru Junction, operated entirely by an all-women crew for the first leg of its journey. The high-speed, passenger-friendly Amrit Bharat service represents a new era of rail travel, and its debut in Kerala was highlighted by the professional excellence of the women at the helm. Operating under the power of Loco No. 30079/30089, the crew ensured a seamless and punctual journey, demonstrating the technical expertise and operational precision that defines the modern female workforce of Southern Railway.

The Amrit Bharat Express is designed with "push-pull" technology, featuring locomotives at both ends for faster acceleration and reduced travel time. While the inaugural special ran from Thiruvananthapuram to Mangaluru, the regular service is slated to commence shortly, connecting Nagercoil to Mangaluru, providing enhanced connectivity & superior amenities for passengers across the region.

Having an all-women crew lead the Amrit Bharat Express sends a powerful message of capability and progress The Pioneers Behind the Controls

Kurnool City Station Redesigned for Enhanced Passenger Comfort

Source/RSB-The Kurnool City Station in Andhra Pradesh is being transformed to prioritize passenger comfort. Key milestones have already been completed, including the extension of platforms and significant improvements to Platform 1.

Work is currently in full swing on several other upgrades, including the Main Entry Facade, a new Entrance Arch, and a second entry point. Additionally, construction is moving forward on the 12m Foot Over Bridge (FOB) foundation and new parking sheds. These developments aim to provide a modern and seamless experience for all commuters.

Bantawala Railway Station: A Modern Gateway for Karnataka's Travelers

Source/RSB- The Bantawala Railway Station in Karnataka has been rebuilt to better serve the needs of modern passengers. The project introduces several structural and functional upgrades designed to streamline the travel experience.

Key Station Improvements
- **Upgraded station building:** The main station structure has been modernized to enhance the experience for waiting passengers and staff.
- **Spacious circulating & parking areas:** The station layout now includes larger open spaces for movement and dedicated zones for vehicle parking to reduce congestion.
- **Elegant facade with entrance porches:** The exterior has been redesigned with a contemporary facade and new porches at the entrance points for better aesthetics and shelter.
- **Accessible lifts & toilets:** New infrastructure, including elevators and specialized restrooms, has been installed to ensure the station is accessible to all travelers.
- **Indication boards & signages:** Clearer digital and static boards have been placed throughout the premises to provide better navigation and information

Indian Railways Speeds Up Kavach 4.0 Safety Rollout with 472 km Commissioned Across Three Sections

Source/RSB- Indian Railways today commissioned 472.3 route kilometres of Kavach Version 4.0 (Automatic Train Protection System) across three sections of its network, marking another significant milestone in strengthening rail safety. The newly commissioned sections include Vadodara–Virar (344 km) on Western Railway, Tuglakabad Junction Cabin–Palwal (35 km) on Northern Railway, and Manpur–Sarmatanr (93.3 km) on East Central Railway. With this commissioning, Indian Railways continues to accelerate the deployment of the indigenous Kavach system to enhance train protection, operational safety, and reliability across high-density routes.

This commissioning marks the highest ever route kilometres of Kavach commissioned on a single day as well as in a month, with 472.3 RKm brought under Kavach Version 4.0. The previous highest commissioning stood at 324 RKm on the Kota–Mathura section of West Central Railway. With the latest addition, Kavach Version 4.0 has now been commissioned across five zones of Indian Railways.

After today's inclusion, Kavach Version 4.0 has been commissioned over a total of 1,306.3 Route Kilometres across Indian Railways. Prior to this, Kavach Version 4.0 had been commissioned on 834 Route Kilometres. This included the Palwal–Mathura–Nagda section (633 RKm) of the Delhi–Mumbai route and the Howrah–Bardhaman section (105 RKm) of the Delhi–Howrah route. In addition, 96 Route Kilometres were commissioned on Gujarat's first Bajwa (Vadodara)–Ahmedabad section.

Progress of Kavach 4.0 Implementation on Northern Railway

Indian Railways successfully commissioned Kavach 4.0 on the 35-km Tuglakabad Junction Cabin–Palwal section of the four-line Delhi–Mumbai route, which spans 152 main line track kilometres. Kavach has been installed in a complete stretch of this corridor comprising Major station Yards, two Main lines with Automatic Signaling system and two lines with Absolute Block signalling.

This commissioning marks a significant safety upgrade on one of the busiest and high-density corridors of the Indian Railways covering Delhi suburban and long-distance rail network. This section is a high-traffic stretch catering to passenger, suburban, and freight trains. Commissioning of Kavach on this section significantly enhances operational safety, reliability, and passenger confidence.

Progress of Kavach 4.0 Implementation on East Central Railway

Indian Railways has also commenced train operations with Kavach 4.0 on the 93.3 km Manpur–Sarmatanr section of the DDUGJ–Pt. Deen Dayal Upadhyaya division. The first Kavach-enabled service, Train No. 13305 Sasaram Intercity Express, operated successfully on this section, departing Sone Nagar at 07:42 hrs and arriving at Manpur at 09:35 hrs. During the run, a head-on collision test was conducted, in which the train automatically stopped, validating the system's effectiveness.

Kavach is being installed over 4,235 route kilometres of East Central Railway, including 417 route kilometres on the Pt. Deen Dayal Upadhyaya Junction–Manpur section, a critical part of the Delhi–Howrah trunk route passing through Uttar Pradesh, Bihar, and Jharkhand. The section carries mixed traffic and is currently cleared for 130 kmph, with works in progress under Mission Raftar to enhance the speed potential to 160 kmph.

Progress of Kavach 4.0 Implementation on Western Railway

Work on the Vadodara–Surat–Virar section on Delhi-Mumbai route commenced in January 2023, and on 30 January 2026, Kavach has been successfully commissioned on this 344-km section. This historic milestone was achieved with Train No. 20907, Dadar–Bhuj Sayajinagri Express, becoming the first KAVACH equipped train to run from Mumbai.

Work on the Vadodara–Nagda section is progressing at a fast pace and is expected to be commissioned by March 2026, while work on the Virar–Mumbai Central section is also progressing well and is targeted for completion by September 2026. Simultaneously, Kavach installation on locomotives is advancing steadily, with 364 locomotives on Western Railway equipped with Kavach so far. In addition, works on several other sections of Western Railway have been sanctioned, covering a total of 2,667 Route Kilometres, with execution underway on all sanctioned sections.

- **Highest-Ever Kavach Commissioning Achieved in a Single Day**
- **Kavach 4.0 Commissioned on Vadodara–Virar (344 km), Tuglakabad Junction Cabin–Palwal (35 km) and Manpur–Sarmatanr (93.3 km) Sections**
- **Kavach 4.0 Now Covers Over 1,300 Route Kilometres Across Five Indian Railways Zones**

RVNL conferred 'Champion of Change' CSR Award at the 17th CSR Leadership Summit 2026 in New Delhi

Shri Saleem Ahmad, CMD-RVNL said : "This recognition reinforces RVNL's conviction that infrastructure growth must be accompanied by meaningful social responsibility. Our CSR initiatives are designed to create long-term value for communities, particularly in project affected and underserved areas, while aligning with national development priorities."

Source/RSB-Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), a Navratna CPSU under the Ministry of Railways, Government of India, has been honoured with the prestigious 'Champion of Change' CSR Award at the 17th CSR Leadership Summit 2026, held at the India International Centre (IIC), New Delhi. The award recognises RVNL's consistent & high-impact Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives, reflecting the organisation's commitment to inclusive growth, community development and sustainable nation building, alongside its core infrastructure mandate. The award takes into account RVNL's CSR initiatives specially in Aspirational Districts like Chhattisgarh's Narainpur district part of the remote Abujhmarh region.

Home to the primitive tribal Madiya community, this area has long remained geographically inaccessible due to difficult terrain and socioeconomically challenged conditions due to Left Wing Extremism. RVNL's efforts in such difficult regions reflect its commitment to inclusive development and nation building. The award and certificate were presented by Mr. Rusen Kumar, Founder and Managing Editor of India CSR Network (indiacsr.in) a leading digital platform focused on CSR and sustainability. The summit was organised by India CSR Network, headquartered in Raigarh, Chhattisgarh. On behalf of RVNL, Shri Anil Kumar Mahato, Coordinator (CSR), RVNL, received the award during the ceremony.

The 'Champion of Change' CSR Award honours organisations that demonstrate measurable social impact, strong governance and alignment with national development priorities and the UN Sustainable Development Goals (SDGs). The CSR Leadership Summit is a recognised national forum bringing together PSUs, corporates, policy-makers and CSR professionals to share best practices and recognise excellence in responsible and impact-driven CSR initiatives

Ms Aruna Nayar Appointed Director General (Human Resources) in Railway Board

Source/RSB- Ms Aruna Nayar, who is presently serving as Secretary to the Railway Board, has been appointed as Director General (Human Resources) in the Railway Board.

A 1987-batch officer of the Indian Railway Personnel Service (IRPS), Ms Nayar brings with her decades of experience in personnel administration. Her appointment is expected to further strengthen the human resource framework of the Railways, drawing on her extensive administrative background and long-standing service.

Vivek Kumar Gupta Appointed Member (Infrastructure) of Railway Board

Source/RSB-Vivek Kumar Gupta has been appointed as the Member (Infrastructure) of the Railway Board. He is currently serving as the General Manager of Western Railway.

An officer of the 1988 batch of the Indian Railway Service of Engineers (IRSE), Gupta brings with him extensive exper-ience in the field of railway infrastructure. His long association with engineering and infrastructure development within the Indian Railways is expected to strengthen strategic planning and execution at the Board level.

CONCOR Announces Historic Q3 FY 2025–26 Results.

Source/RSB- Container Corporation of India Limited (CONCOR) has officially announced its financial results for the third quarter (Q3) of the financial year 2025–26. The performance highlights a landmark quarter for the company, showcasing its commitment to driving value for stakeholders and significantly enhancing the ease of doing business for its customers.

Record-Breaking Performance Highlights

The results for Q3 of FY 2025–26 have set new benchmarks, achieving the highest-ever figures for any third quarter in the company's history:

- CONCOR achieved its highest-ever quarterly handling for any Q3, 1.42 million TEUs.
- The company reported a record-breaking quarterly operating income of ₹2301.72 crore.
- The quarterly total income reached an all-time Q3 high of ₹2396.97 crore.

Quadrant Future Tek Secures Major 230.42 Crore KAVACH Contract from ICF Chennai

Quadrant Future Tek Ltd.

Source/RSB- Quadrant Future Tek Ltd. has achieved a significant milestone by securing a contract worth ₹230.42 crore from the Integral Coach Factory (ICF), Chennai. This major order focuses on the supply, retrofitment, testing, and commissioning of 192 units of Onboard KAVACH Equipment Version 4.0.

The company has confirmed that the scope of this contract extends beyond the initial installation, covering both the warranty and long-term annual maintenance of the equipment. This ensures a comprehensive support system for the advanced safety technology being deployed.

Awarded by a domestic entity, the entire project is scheduled to be executed within a timeframe of 12 months. This partnership highlights Quadrant Future Tek's role in delivering critical safety infrastructure and long-term technical services to the railway sector.

Ms. Manjusha Jain Appointed Member (Finance), Railway Board

Ms. Manjusha Jain has been appointed as Member (Finance), Railway Board. She was earlier serving as Additional Member (Budget), Railway Board. Along with this responsibility, she will also function as Ex-officio Secretary to the Government of India.

The appointment marks a significant administrative development in the Railway Board, with Ms. Jain taking charge of the key financial portfolio. Her elevation to the post reflects continuity in financial oversight & policy implementation in the organisation.

उत्तर प्रदेश दिवस
24-26 जनवरी, 2026
विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश
77 वें
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं !
(26 जनवरी, 2026)
आत्मनिर्भर, स्वावलंबी, सशक्त एवं समृद्ध उत्तर प्रदेश निर्माण की ध्येय यात्रा सतत प्रवाहमान है। प्रदेश, वर्ष 2047 तक विकसित बनने की ओर अग्रसर है। इस 'संकल्प से सिद्धि' में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक नागरिक का महनीय योगदान भी समर्पित है।
अभूतपूर्व विकास यात्रा के प्रतीक उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ नागरिक विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य के लिए दायित्वबोध के साथ प्राण-प्रण से प्रतिबद्ध हैं।
उत्तर प्रदेश वासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं।
- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
प्रगति की गति अपार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial
CMOUttarpradesh
CMOfficeUP